

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने किया संघ अनुभवशाला का लोकार्पण, बोले- ‘गागर में सागर’ के समान है प्रदर्शनी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति के सुदर्शन भवन में निर्मित ‘संघ अनुभवशाला’ का लोकार्पण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने किया। शाम छह बजे आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में समाज के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। डॉ. भागवत ने दीप प्रज्वलित कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसके निर्माण से जुड़े कार्यकर्ताओं का सम्मान किया।

अपने संबोधन में डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि ‘अनुभवशाला’ नाम अपने आप में इसकी साक्ष्यता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि संघ को किसी प्रदर्शन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि संघ को जानने और समझने के लिए अनुभव आवश्यक है। उनके अनुसार संघ की कार्यपद्धति और उसके विभिन्न आयामों को समझने की दृष्टि से



अनुभवशाला एक उपयोगी प्रयोग है।

डॉ. भागवत ने कहा कि परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को बदलने का सामर्थ्य संघ में है, लेकिन उसकी कुछ मूल बातें अपरिवर्तनीय हैं। इन्हें समझने के लिए संघ के कार्य और वातावरण का अनुभव जरूरी है। उन्होंने कहा कि संघ के किसी कार्यक्रम

में कुछ दिन साथ रहकर भी उसके कार्य को समझा जा सकता है। उन्होंने अनुभवशाला को संघ का प्रत्यक्ष दर्शन कराने वाली प्रदर्शनी बताते हुए इसे ‘गागर में सागर’ के समान बताया।

संघ अनुभवशाला की जानकारी देते हुए श्री मोहित जैन ने बताया कि ‘एक विचार, एक यात्रा— राष्ट्र प्रथम’ की भावना पर आधारित यह प्रदर्शनी

संघ की सौ वर्ष की यात्रा, विचार, कार्यपद्धति और समाज जीवन में योगदान को सरल एवं रोचक तरीके से प्रस्तुत करती है। यहां तीन मूल प्रश्नों—संघ क्या है, इसकी स्थापना क्यों हुई और संघ कैसे कार्य करता है—के उतर विभिन्न प्रदर्शनों के माध्यम से दिए गए हैं।

प्रदर्शनी में भारत की प्राचीन सभ्यता एवं ज्ञान परंपरा से लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी यात्रा तक के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित किया गया है। इसके साथ ही ‘पंच परिवर्तन’ के पांच आयामों सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवनशैली और नागरिक कर्तव्य को दैनिक जीवन से जोड़कर समझाने का प्रयास किया गया है।

अनुभवशाला में उच्च तकनीक और कला का उपयोग करते हुए वीडियो गैलरी, चित्र एवं आलेखों के माध्यम से संघ की स्थापना की पृष्ठभूमि, उसके क्रमिक विस्तार और समाज कार्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत किया गया है। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को भारत की संस्कृति से परिचित कराना, सेवा एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को समझाना तथा ‘राष्ट्र प्रथम’ के विचार से परिचित कराना है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति के श्री उमेश वर्मा ने किया,

जबकि समिति के सचिव श्री राकेश यादव ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के बाद उपस्थित नागरिकों एवं स्वयंसेवकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

यह प्रदर्शनी 27 सितंबर से आम नागरिकों के लिए निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। प्रतिदिन सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक इसका अवलोकन किया जा सकेगा। प्रदर्शनी स्थल पर संघ साहित्य के साथ भारतीय संस्कृति से संबंधित सामग्री भी उपलब्ध रहेगी। आगंतुकों की सुविधा के लिए वेबसाइट एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भी जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी।

लोकार्पण कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मालवा प्रांत के संघचालक डॉ. प्रकाश शास्त्री, इंदौर विभाग संचालक श्री मुकेशजी मोह, डॉ. हेंडोवार स्मारक समिति के अध्यक्ष श्री ईश्वरजी हिंदुजा सहित संघ के अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत ऊर्जा सचिव विशेष गढ़पाले ने एमपी ट्रांसको के सब स्टेशन का किया निरीक्षण

रबी सीजन में किसानों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मध्यप्रदेश शासन के



ऊर्जा सचिव विशेष गढ़पाले ने नरसिंहपुर जिले के 132/33 केवी एमपी ट्रांसको सब स्टेशन, बरमान का निरीक्षण किया। उन्होंने सब स्टेशन की विद्युत व्यवस्था, उपलब्ध क्षमता, उपकरणों के रखरखाव तथा आगामी रबी सीजन को देखते हुए लोड प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान श्री गढ़पाले ने सब स्टेशन में स्थापित पावर ट्रांसफार्मरों सहित विभिन्न विद्युत उपकरणों का अवलोकन किया और उनके रखरखाव एवं मटेनेंस की

कारण विद्युत मांग में वृद्धि होती है, इसलिए सब स्टेशन और उससे जुड़े फीडरों की क्षमता एवं उपलब्धता की पूर्ण समीक्षा कर आवश्यक तैयारियां पूरी रखी जाएं।

उन्होंने विशेष रूप से निर्दिष्ट किया कि

स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने मुख्य अभियंता परीक्षण एम. वाई. मंसूरी से सब स्टेशन के वर्तमान वोल्टेज प्रोफाइल, लोड की स्थिति तथा विद्युत आपूर्ति व्यवस्था के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। रबी सीजन में सिंचाई के लिए पर्याप्त वोल्टेज सुनिश्चित करें- श्री गढ़पाले ने निर्देश दिए कि आगामी रबी सीजन में किसानों को सिंचाई के लिए निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित वोल्टेज पर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि रबी सीजन में सिंचाई भार बढ़ने के

सब स्टेशन में उपलब्ध कैपेसिटर बैंक पूरी क्षमता और निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित रहें, ताकि विद्युत ण्णाली का वोल्टेज प्रोफाइल बेहतर बना रहे और किसानों को सिंचाई के दौरान वोल्टेज संबंधी परेशानी का सामना न करना पड़े।

नरसिंहपुर जिले में लोड प्रबंधन की भी की समीक्षा- ऊर्जा सचिव ने 132 केवी बरमान सब स्टेशन से निकलने वाले विभिन्न 132 केवी एवं 33 केवी फीडरों की स्थिति की जानकारी ली।



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में 19 सितंबर 2026 को इंदौर यातायात पुलिस ने एनसीसी कैडेट्स के साथ विशेष यातायात जागरूकता अभियान आयोजित किया। अभियान के दौरान एनसीसी गर्ल्स कैडेट्स ने प्रमुख चौराहों पर यातायात संचालन में सहयोग करते हुए वाहन चालकों को नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया।

अभियान पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध/मुख्यालय श्री आर.के. सिंह और पुलिस उपायुक्त क्राइम/यातायात श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के

मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी यातायात श्री अरविंद दांगी ने एनसीसी कैडेट्स को यातायात नियमों, यातायात संकेतों और सड़क सुरक्षा संबंधी आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी। कैडेट्स को यातायात संचालन का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण के बाद 1 एमपी गर्ल्स बटालियन के आईपीएस कॉलेज और उमिया गर्ल्स कॉलेज की एनसीसी कैडेट्स एवं स्टाफ ने शाम 3:30 बजे से 5:30 बजे तक शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात पुलिस के साथ यातायात संचालन और सड़क सुरक्षा जागरूकता गतिविधियों में सहयोग किया। इस दौरान यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों, एनसीसी ऑफिसर्स कैप्टन नम्रता सावंत, हवलदार कमलेश तथा ट्रैफिक वार्डन्स की मौजूदगी रही।

कैडेट्स ने वाहन चालकों को यातायात संकेतों का पालन करने, रेड लाइट जंप नहीं करने, गलत दिशा में वाहन नहीं चलाने और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। पीक ऑवर्स के दौरान चौराहों पर यातायात संचालन में कैडेट्स की सहभागिता का उद्देश्य वाहन चालकों में अनुशासन और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

यातायात पुलिस के अनुसार एनसीसी की विभिन्न इकाइयों आगे भी यातायात प्रबंधन और सड़क सुरक्षा से जुड़ी जागरूकता गतिविधियों में सहयोग करेंगी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देपालपुर में स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देपालपुर में जिले के वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा विकासखंड में संचालित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति, ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज की जा रही जानकारी, मैदानी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति तथा निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति की समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-3 डॉ. निर्मला अखंड, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-1 डॉ. हेमंत गुप्ता, टीकाकरण अधिकारी डॉ. तरुण गुप्ता, जिला विस्तार एवं माध्यम अधिकारी डॉ. मनीषा पंडित, डीपीएम डॉ. शिवराज सिंह चौहान तथा आईडीएसपी प्रभारी डॉ. अंशुल मिश्रा उपस्थित रहे। स्थानीय स्तर पर बीएमओ डॉ. विभा नागर, बीपीएम श्री दिनेश पाटीदार एवं बीईई श्रीमती सूरज दवावे सहित अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

समीक्षा के दौरान अमनोल पोर्टल पर एंटी, मातृ स्वास्थ्य सेवाओं, हाई रिस्क एनसीसी की पहचान एवं प्रबंधन, क्षय रोग, कुष्ठ रोग, नेत्र स्वास्थ्य, नियमित टीकाकरण, आईडीएसपी तथा उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर उपलब्ध करवाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई। अधिकारियों द्वारा मैदानी स्तर पर किए जा रहे कार्यों एवं निर्धारित लक्ष्यों की उपलब्धि की भी जानकारी ली गई। समीक्षा के दौरान निर्धारित कार्य एवं लक्ष्यों के अनुरूप अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी द्वारा संबंधित स्वास्थ्यकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

मंत्री तुलसीराम सिलावट ने सांवेर में 26 मेधावी छात्राओं को वितरित की ई-स्कूटी

मुख्यमंत्री स्कूटी योजना से बेटियों को मिली आगे बढ़ने की नई राह

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज पीएमश्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सांवेर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के अंतर्गत 26 मेधावी छात्राओं को ई-स्कूटी वितरित की। ई-स्कूटी प्राप्त होने पर छात्राओं में उत्साह और खुशी का वातावरण दिखाई दिया। इस अवसर पर मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर महत्वपूर्ण और नवाचारपूर्ण कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें शिक्षा प्राप्त करने के लिए आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराना है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा



पहल है। ई-स्कूटी मिलने से छात्राओं को विद्यालय एवं आगे की पढ़ाई के लिए आने-जाने में सुविधा होगी तथा उनका समय भी बचेगा। उन्होंने छात्राओं से अपनी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत करने का आह्वान किया। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि प्रदेश सरकार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ आवश्यक संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दे रही है। प्रदेश के सांदिपनि सीएम राइज स्कूलों, पीएमश्री स्कूलों सहित शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को विभिन्न सुविधाओं का लाभ दिया जा रहा है।

विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्कूटी योजना विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही उनके आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। ई-स्कूटी मिलने से छात्राओं को विद्यालय एवं आगे की पढ़ाई के लिए आने-जाने में सुविधा होगी तथा उनका समय भी बचेगा। उन्होंने छात्राओं से अपनी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत करने का आह्वान किया।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि प्रदेश सरकार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ आवश्यक संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दे रही है। प्रदेश के सांदिपनि सीएम राइज स्कूलों, पीएमश्री स्कूलों सहित शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को विभिन्न सुविधाओं का लाभ दिया जा रहा है।

गणेश चतुर्थी पर इंदौर में कमर्शियल प्रॉपर्टी का अवसर, PMAY की फ्रीहोल्ड दुकानों के लिए ई-टेंडर शुरू

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गणेश चतुर्थी के अवसर पर इंदौर में अपना व्यवसाय शुरू करने अथवा उसका विस्तार करने के इच्छुक नागरिकों के लिए कमर्शियल प्रॉपर्टी प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना इंदौर के विभिन्न आवासीय परिसरों में स्थित फ्रीहोल्ड कमर्शियल दुकानों के लिए ई-टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक आवेदक ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से इन दुकानों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

कमर्शियल दुकानों के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 15 सितंबर 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक नागरिक अपनी पसंद की दुकान के लिए ई-टेंडर में भाग लेकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बनाया गया है, जिसके तहत आवेदक MPOnline पोर्टल के माध्यम से स्वयं ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा,



ऑनलाइन आवेदन में सहायता की आवश्यकता होने पर नजदीकी MPOnline कियोस्क के माध्यम से भी आवेदन प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।

ई-टेंडर में शामिल होने के लिए आवेदकों को pmay-inc.mponline.gov.in पोर्टल पर जाकर Applicant's Login के माध्यम से नई प्रोफाइल बनानी होगी। मोबाइल पर एमएमएस के जरिए प्राप्त यूजर आईडी और पासवर्ड से लॉगिन करने के बाद बैंक खाता सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इसके पश्चात आवेदन पत्र भरना होगा। आवेदन शुल्क, पोर्टल शुल्क और ईएमडी राशि

का ऑनलाइन भुगतान करना अनिवार्य है। ऑफर के माध्यम से आवेदन करने वाले आवेदकों को अपनी बिड भी सबमिट करनी होगी। बिड जमा किए बिना आवेदन पूर्ण नहीं माना जाएगा।

आवेदकों को निर्धारित अंतिम तिथि और समय का विशेष ध्यान रखना होगा। तय समय सीमा के भीतर आवेदन जमा नहीं करने पर ड्राफ्ट आवेदन और संबंधित दस्तावेज निर्यातित किए जा सकते हैं। इसलिए इच्छुक नागरिकों से समय सीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की गई है।

ई-टेंडर से संबंधित नियम एवं शर्तें, उपलब्ध कमर्शियल दुकानों का विवरण, आवेदन प्रक्रिया और अन्य आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए जारी क्यूआर कोड को स्कैन किया जा सकता है। PMAY के विभिन्न आवासीय परिसरों में उपलब्ध फ्रीहोल्ड कमर्शियल दुकानों के माध्यम से नागरिक अपने व्यवसाय के लिए उपयुक्त स्थान प्राप्त करने की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

एमडी ड्रास सप्लाई के बैकवर्ड लिंक तक पहुंची क्राइम ब्रांच, मोहम्मद साजिद उर्फ राजा गिरफ्तार



एनडीपीएस एक्ट का इजाफा किया गया है। पुलिस अब आरोपी से मादक पदार्थों की मूल सप्लाई चेन, अन्य खरीदारों और नेटवर्क से जुड़े लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

पुलिस के अनुसार, पूर्व में गिरफ्तार शादाब खान, थाना खजुराना क्षेत्र और साहिद अली शाह, थाना चंदननगर क्षेत्र के निवासी हैं। इनके कब्जे से 14.9 ग्राम एमडी ड्रस, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 40 हजार रुपये है, बरामद

गारमेंट टेक्नोलॉजी एक्सपो-2026 के लिए मध्यप्रदेश के 30 एमएसएमई उद्यमियों का प्रतिनिधिमंडल बेंगलुरु खाना



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा RAMP (Raising and Accelerating MSME Performance) योजना के अंतर्गत प्रदेश के चयनित 30 एमएसएमई उद्यमियों का प्रतिनिधिमंडल एक्सपोजूर विजिट के लिए बेंगलुरु खाना हुआ। प्रतिनिधिमंडल 21 सितम्बर 2026 तक गायत्री विहार, पैलैस ग्राउंड्स, बेंगलुरु में आयोजित Garment Technology Expo (GTE) 2026 में सहभागिता करेगा।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रतिनिधिमंडल के उद्यमियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उद्यमियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विभागीय

इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता में हुनर दिखाने का युवाओं को अवसर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। युवाओं में कौशल विकास को प्रोत्साहित करने और उनके हुनर को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2028 के लिए पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को विभिन्न कौशल क्षेत्रों में अपनी दक्षता प्रदर्शित करने तथा आगे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की कौशल प्रतियोगिताओं में अवसर प्राप्त करने का मंच मिलेगा। प्रतियोगिता में विद्युतकार, वेलिंग्डा, वाहन तकनीक, वेब तकनीक, व्यवसाय के लिए सूचना प्रौद्योगिकी सॉफ्टवेयर समाधान, ग्राफिक डिजाइन तकनीक, परिधान तकनीक, सौंदर्य चिकित्सा, पाक कला, बेकरी, नलसजाई एवं ताप व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रशीतन एवं वातानुकूलन, यांत्रिक अभियांत्रिकी अभिकल्प तथा मेकाट्रॉनिक्स सहित विभिन्न कौशल क्षेत्रों में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा। शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, इंदौर द्वारा आईटीआई प्रशिक्षार्थियों, विद्यार्थियों तथा कौशल में रुचि रखने वाले युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन कराने की अपील की गई है। संस्थान ने युवाओं से कहा है कि वे अपने कौशल को प्रदर्शित करने के इस अवसर का लाभ उठाएं और प्रतियोगिता के माध्यम से अपनी प्रतिभा को व्यापक पहचान दिलाएं। इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता युवाओं को अपने हुनर को प्रखरे, कौशल में उत्कृष्टता हासिल करने और आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण मंच है। इच्छुक युवा 22 सितंबर 2026 तक इंडिया स्किल्स के आधिकारिक पंजीयन पोर्टल skillindia.digital.gov.in के माध्यम से पंजीयन करा सकते हैं। युवा अपना हुनर दिखाएं, कौशल को पहचान दिलाएं और इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2028 से जुड़कर आगे बढ़ने के अवसर का लाभ उठाएं।

20वें राष्ट्रीय रोजगार मेले में देशभर के साढ़े 51 हजार से अधिक

नव-नियुक्त अभ्यर्थियों को प्रदान किये गये नियुक्ति पत्र



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित 20वें राष्ट्रीय रोजगार मेले में देशभर के 51 हजार 606 नव-नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समारोह में 200 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए नव-नियुक्त कर्मियों से लोकसेवा की भावना के साथ विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, सांसद श्री शंकर लालवानी, संबंधित अधिकारी और बड़ी संख्या में नवनियुक्त कर्मी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने नव-नियुक्त अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी से ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए राष्ट्रसेवा में योगदान देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि सरकारी सेवा महज रोजगार नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी निभाने का अवसर है। प्रधानमंत्री जी द्वारा दिए गए ानागरिक देवो भवः- के मंत्र को आत्मसात करते हुए प्रत्येक कर्मी पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

की गई थी। इसके अलावा एक महिंद्रा कंपनी की इलेक्ट्रिक ऑटो भी जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है। जब्त मशरूका की कुल कीमत करीब 2 लाख 90 हजार रुपये है।

गिरफ्तार मोहम्मद साजिद उर्फ राजा आठवीं कक्षा तक शिक्षित है और मकान मिस्त्री का काम करता है। पुलिस के मुताबिक उसके खिलाफ चंदननगर थाने में पहले से कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2016, 2019, 2021, 2022, 2023 और 2024 के मामले शामिल हैं। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट सहित मारपीट, धमकी और अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज होना बताया गया है।

क्राइम ब्रांच की कार्रवाई के बाद अब पुलिस इस ड्रस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई चेन और नेटवर्क से जुड़े अन्य संभावित आरोपियों तक पहुंचने के प्रयास जारी हैं। कार्रवाई में क्राइम ब्रांच थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अधिकारियों के साथ उन्हें एक्सपोजूर विजिट के लिए खाना किया।

इस एक्सपोजूर विजिट में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित एमएसएमई उद्यमी शामिल हो रहे हैं। इनमें इंदौर से 15, भोपाल से 5, धार से 2, सिवनी से 2, देवास से 2 तथा हदा, नर्मदापुरम, खराना और ग्वालियर से एक-एक प्रतिनिधि शामिल हैं। बेंगलुरु में आयोजित गारमेंट टेक्नोलॉजी एक्सपो के दौरान प्रवेश के उद्यमियों को गारमेंट एवं टेक्सटाइल क्षेत्र में उपयोग होने वाली आधुनिक मशीनों, अत्याधुनिक उपकरणों, नई उत्पादन प्रक्रियाओं तथा नवीनतम औद्योगिक तकनीकों को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का अवसर मिलेगा। साथ ही उद्यमी उद्योग क्षेत्र में हो रहे तकनीकी नवाचारों, नई उत्पादन तकनीकों और व्यवसाय विस्तार की संभावनाओं से भी परिचित होंगे। यह एक्सपोजूर विजिट प्रदेश के एमएसएमई उद्यमियों के तकनीकी ज्ञान, कौशल विकास, उत्पादकता और व्यवसायिक क्षमताओं को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से उद्यमियों को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं तकनीकी मंच से जुड़कर अपने व्यवसाय के लिए नवीन संभावनाएं तलाशने का अवसर मिलेगा।

नाकाबंदी देख भागने लगे तस्कर, बाइक सहित गिर पड़े, बैग में मिले 526 ग्राम एमडी और 5.640 किलो डोडाचूरा

तीन आरोपी गिरफ्तार, भैसोदामंडी निवासी सलायर की तलाश जारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मल्हारगढ़ पुलिस ने दो तस्करों को 526 ग्राम एमडी ड्रप्स और 5 किलो 640 ग्राम डोडाचूरा के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी बाइक पर एक बैग में मादक पदार्थ लेकर पिपलियामंडी की ओर से मल्हारगढ़ होते हुए चल्दू की तरफ जा रहे थे। कृषि मंडी के सामने हाईवे पर पुलिस की नाकाबंदी देखकर आरोपियों ने बाइक पलटाकर भागने का प्रयास किया, लेकिन संतुलन बिगड़ने से दोनों बाइक और बैग सहित सड़क पर गिर गए। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। पुलिस को 19 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कालाखेड़ा निवासी



लकड़ी हाड़ा और राधेश्याम उर्फ कमलेश हाड़ा कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया।

एनजी 3931 से डोडाचूरा और एमडी ड्रप्स लेकर किसी व्यक्ति को देने के लिए चल्दू की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर मल्हारगढ़ कृषि मंडी के सामने हाईवे पर नाकाबंदी की गई। कुछ देर बाद पिपलियामंडी की ओर से उक्त मोटरसाइकिल आती दिखाई दी। पुलिस को देखकर बाइक चालक घबरा गया और बाइक को पलटाकर भागने का प्रयास करने लगा। इसी दौरान बाइक का संतुलन बिगड़ गया और दोनों आरोपी लाल रंग के बैग सहित नीचे गिर गए। दोनों ने उठकर बैग लेकर भागने की

बाइक चालक ने अपना नाम लकड़ी (19) पिता सुरेश हाड़ा, निवासी कालाखेड़ा थाना गरोठ तथा दूसरे व्यक्ति ने राधेश्याम उर्फ कमलेश (33) पिता भैरूलाल हाड़ा, निवासी कालाखेड़ा थाना गरोठ बताया। पुलिस के अनुसार दोनों से पूछताछ करने पर उनके कब्जे वाले लाल रंग के बैग में डोडाचूरा और एमडी ड्रप्स होना सामने आया। इसके बाद नियमानुसार दोनों आरोपियों, मोटरसाइकिल और बैग की तलाशी ली गई। जिसमें एमडी 526 ग्राम तथा डोडाचूरा 5 किलो 640 ग्राम पाया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

'खरीददार भी गिरफ्तार- पुलिस ने मामले की आगे की जांच करते हुए मादक

पदार्थ खरीदने के आरोप में शेराराम (24) पिता कानाराम देवासी, निवासी पंचवा खुर्द, जिला पाली राजस्थान, हाल निवासी भेखराई नगर, पुणे महाराष्ट्र को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मामले में मादक पदार्थ उपलब्ध कराने वाले अकरम निवासी भैसोदामंडी की तलाश की जा रही है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि एमडी ड्रप्स और डोडाचूरा कहाँ से लाया गया था और इसकी सप्लाई किन लोगों तक की जानी थी। मामले में जुड़े अन्य लोगों और मादक पदार्थों के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच जारी है। मल्हारगढ़ थाने में धारा 8/15, 22 एवं 29 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जावदविधानसभा क्षेत्र में पीएम के जन्मदिन पर अनूठा विरोधाभास

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर जावद विधानसभा क्षेत्र में सत्तापक्ष की भक्ति और विपक्ष के तंज का एक बेहद दिलचस्प और हाई-प्रोफाइल विरोधाभास देखने को मिला। जहां एक ओर भाजपा कार्यकर्ताओं ने आशीर्वाद का दिया अभियान के तहत दीप जलाकर जश्न मनाया, वहीं दूसरी ओर जावद विधानसभा क्षेत्र के कटारवा कांग्रेस नेता श्री बालकिशन धाकड़ ने इस दिन को राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस के रूप में मनाते हुए एक अनोखा मोर्चा खोल दिया। धाकड़ के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बेजुबान गधों को बकायदा थाल में सजाकर गुलाब जामुन खिलाए, जो अब पूरे क्षेत्र में भारी चर्चा का विषय बन गया है।

पीएम के सिद्धांतों की भाजपाईयों ने ही उड़ा दी थञ्जियां-जावद विधानसभा क्षेत्र के कटारवा कांग्रेस नेता बालकिशन धाकड़ ने तीखा हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री के ही एक पुराने राष्ट्रीय संबोधन की याद दिलाई।

धाकड़ ने कहा, कुछ समय पहले प्रधानमंत्री ने खुद देश की जनता से अपील की थी कि खाद्य तेल और ईंधन की बचत करना राष्ट्रभक्ति है। लेकिन आज उन्हीं की पार्टी के मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों और नेताओं ने उनके वचनों को ठेग पर रख दिया। उत्सव के नाम पर पूरे देश-प्रदेश में लाखों-करोड़ों लीटर तेल दीयों में जलाकर स्वाह्न कर दिया गया, जो सीधे तौर पर जनता के पैसे की बर्बादी है।

मैंने निभाई राष्ट्रभक्ति, गधों की मेहनत का किया सम्मानअपने इस अजीबो-गरीब प्रदर्शन को सही ठहराते हुए धाकड़ ने तर्क दिया, भाजपा ने भले ही अपने शीर्ष नेता के आदेश का उल्लंघन किया हो, लेकिन मैंने एक सच्चे नागरिक के नाते पीएम के बचत वाले संदेश की पालना की है।

खेत में रेंगता दिखा 7 फीट का विशालकाय अजगर, वन विभाग ने सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा



रतनगढ़ के घने जंगलों में छोड़ दिया। इसके बाद ही ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।सूचना मिलते ही हरकत में आई टीमजानकारी के अनुसार, ग्राम निमकाखेड़ा निवासी दशरथ पिता बोटलाल धाकड़ के खेत में ग्रामीणों ने इस भारी-भरकम अजगर को देखा था। आबादी क्षेत्र के नजदीक अजगर होने से मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत वन विभाग को सूचित किया गया। सूचना मिलते ही वनमण्डलाधिकारी (छस्बह) एस.के. अटोदे एवं उपवनमण्डलाधिकारी श्रीमती सरोज सिंह के मार्गदर्शन में रतनगढ़ वनपरिक्षेत्राधिकारी बाबूलाल दायमा के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम तुरंत मौके पर पहुंची।कड़ी मशकत के बाद पाया काबूखेत में छिपे अजगर को पकड़ना वन कर्मियों के लिए बड़ी चुनौती था। परिक्षेत्र सहायक राजू कबाड़िया (वनपाल), बीट प्रभारी नारदा तरुण बोरीवाल (कार्यवाहक वनपाल) और बीट प्रभारी बाणदा प्रथम मदनलाल धनगर ने भारी सुझबुझ और तत्परता का परिचय दिया। टीम ने बिना किसी नुकसान के लगभग 7 फीट लंबे अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया।

प्राकृतिक आवास में किया गया मुक्त- रतनगढ़ वनपरिक्षेत्राधिकारी बाबूलाल दायमा ने बताया कि रेस्क्यू किया गया अजगर पूरी तरह स्वस्थ था। उसे आबादी क्षेत्र से दूर रतनगढ़ परिक्षेत्र के घने जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया है, ताकि वह अपने प्राकृतिक आवास में रह सके। वन विभाग की इस त्वरित और सफल कार्रवाई पर क्षेत्र के ग्रामीणों ने टीम की जमकर सराहना की है।

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भूखे को भोजन और बेसहारा को सहारा के परमाथि संकल्प के साथ तत्वदर्शी संत रामपाल जी महाराज के सानिध्य में चलाई जा रही अन्नपूर्णा मुहिम नीमच जिले के अत्यंत लाचार और बेबस परिवारों के लिए संकट मोचक साबित हो रही है। इस मुहिम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल एक बार की सहायता नहीं है, बल्कि इन चिन्हित परिवारों को आजीवन (जिंदगी भर) प्रति माह राशन पहुँचाने की निरंतर सेवा है। स्वयंसेवकों ने संकल्प लिया है कि जैसे ही इन घरों में राशन समाप्त होने की स्थिति आएगी, वैसे ही इनके घर-दर पर नया राशन तुरंत पहुँचा दिया जाएगा।

इन गंभीर परिस्थितियों से जूझ रहे परिवारों को मिला जीवनदान- ग्राम तलाऊ (रामपुर)- यहीं के माता-पिता विहीन चार अनाथ बच्चे-खुशी, पछ्खी, वरुण और दीनानाथ-जो गाँव में मांगकर पेट पाल रहे थे, उन्हें गोद लेकर राशन पहुँचाया गया। इसी गाँव की एक बेबस माँ संपत बाई, जो अपने 25 वर्षीय मंदबुद्धि बेटे पंकज का भरपन-पोषण करने में लाचार थीं, उन्हें भी भोजन सामग्री दी गई।ग्राम हनुमंत्पा (मनासा)- यहाँ मात्र 7600 की सरकारी पेंशन के भरोसे रह



रहे 82 वर्षीय वृद्ध माता और उनके 42 वर्षीय मानसिक रूप से विक़िन्न (पागल) बेटे भगवान को राशन किट देकर सहारा दिया गया। ग्राम बरूथन (मनासा)- पिछले 20 वर्षों से वैधव्य का दंश

झेल रही बुरी बाई के परिवार को राहत दी गई। उनके दो बेटे हैं-40 वर्षीय सुरेश जो 3 साल पहले एक सड़क हादसे के बाद अपाहिज हो गए, और दूसरा बेटा जो जन्म से मंदबुद्धि है। इस अत्यंत लाचार परिवार की पूरी जिम्मेदारी अब मुहिम ने उठाई है।नवीन समाज का सुजन और भारत को सोने की चिड़िया बनाने का उद्देश्यअन्नपूर्णा सेवा के साथ-साथ संत श्री रामपाल जी महाराज का मुख्य उद्देश्य एक ऐसे सभ्य, सुसंस्कृत, परोपकारी और निस्वार्थ सेवाभावी नवीन समाज का सुजन करना है, जिससे भारत पुनः सोने की चिड़िया बन सके। संत जी के मार्गदर्शन में देश को भ्रष्टाचार मुक्त, नशा मुक्त, दहेज मुक्त (बिना लेन-देन के रमैनी विवाह), और आपसी सम्मान युक्त बनाने तथा सामाजिक कुरीतियों को समूल मिटाने का महाअभियान चलाया जा रहा है ताकि एक सुखी, ईमानदार और समृद्धिशाली भारत का निर्माण हो सके।इन्होंने दी जानकारीइस पूरे सेवा कार्य और अभियान की विस्तृत जानकारी थरोड़ निवासी रिटायर्ड वरिष्ठ अध्यापक सुरेंद्र कुमार पालीवाल व प्रकाश दास व भरत दास द्वारा संयुक्त रूप से दी गई है। उन्होंने बताया कि संत जी की प्रेरणा से यह मानवीय अभियान जिले के हर कोने में अनवरत जारी रहेगा।

दुग्ध सहकारी समितियों के सचिव-कर्मचारियों ने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन, मांगें जल्द मंजूर नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दुग्ध सहकारी समितियां सचिव कर्मचारी संगठन, शीत केन्द्र मंदसौर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने शुक्रवार को अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर मंदसौर दुग्ध संघ उज्जैन के सांची शीत केन्द्र मंदसौर के महाप्रबंधक मुकेश आचार्य को ज्ञापन सौंपा। संगठन अध्यक्ष एवं दुग्ध समिति अड़मालिया के सचिव नवलसिंह के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में दुग्ध समितियों के भाव में बढ़ोतरी सहित सचिवों और समितियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग की गई।

इस दौरान संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में शीत केन्द्र पहुंचे। ज्ञापन का वाचन दुग्ध समिति नेनोरा के घनश्याम पाटीदार ने किया। संगठन ने मांगों



को जल्द स्वीकार किए जाने की मांग करते हुए कहा कि यदि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन द्वारा आंदोलन किया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी। ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान में महंगाई और पशुपालन पर बढ़ते खर्च के

साथ निजी डेयरियों द्वारा किसानों से अधिक दर पर दूध खरीदा जा रहा है। ऐसे में समितियों के दुग्ध भाव को बढ़ाकर 10 रुपए प्रति फैट किए जाने की मांग की गई है। संगठन ने मंदसौर दुग्ध शीत केन्द्र पर

पर किए जाने वाले दुग्ध विक्रय पर संघ द्वारा का का रही कटौती को तत्काल बंद करने, सांची थी एवं पशु आहार के विक्रय में मार्केट और समितियों के भाव में अंतर समाप्त करने तथा सचिवों को थी एवं पशु आहार बिक्री पर मिलने वाला कमीशन बढ़ाने की मांग रखी गई । संगठन ने पूर्व में समितियों को उपलब्ध कराई जाने वाली वार्षिक डायरियों को पुनः प्रतिवर्ष उपलब्ध कराने तथा मंदसौर शीत केन्द्र पर वार्षिक साधारण सभा का नियमित रूप से आयोजन कराने की मांग भी की है। ज्ञापन में दुग्ध समितियों को बंद होने से बचाने के लिए सचिवों को न्यूनतम मानदेय अथवा अनुदान शुरू करने, सचिवों को इंटरनेट एवं आधुनिक उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण देने तथा दुग्ध संघ एवं शासन की योजनाओं

और सुविधाओं का समितियों को बिना भेदभाव एवं पारदर्शिता के साथ लाभ देने की मांग की गई। संगठन ने समितियों से डेथ क्लेम के नाम पर काटी जाने वाली राशि का प्रतिवर्ष आय-व्यय विवरण तथा डेथ क्लेम प्राप्त करने वाले कर्मचारियों की सूची समितियों को उपलब्ध कराने की मांग भी रखी। इसके साथ ही सभी दुग्ध समितियों के सचिवों को उज्जैन दुग्ध संघ की ओर से स्थायी परिचय पत्र जारी करने की मांग की गई। ज्ञापन के अंत में संगठन ने 11 सूत्रीय मांगों पर शीघ्र विचार कर उन्हें मंजूर करने की मांग की। संगठन पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि मांगों का जल्द निराकरण नहीं होने पर समस्त सचिव एवं कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

अनंत चतुर्दशी पर्व पर 15 झांकियां, 7 अखाड़ों से सजेगा कारवां

दस जगहों पर गणेशजी के होंगे विशेष दर्शन, अग्रवाल पुनः केंद्रीय गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष मनोनीत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय गणेश उत्सव समिति मंदसौर की एक बैठक अनंत चतुर्दशी पर्व को लेकर शनिवार को आनंद मंगल मांगलिक भवन परिसर में संपन्न हुई। बैठक समिति के संरक्षक पंडित दिलीप शर्मा, परामर्शदाता पंडित राधेश्याम शर्मा पार्टनर की उपस्थिति में हुई, जिसमें पुनः आगामी वर्ष हेतु नरेंद्र अग्रवाल को सर्व समिति से समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में नया सभापति रमेश ग्याला, पार्षद गोवर्धन कुमावत, समिति सचिव गोपाल मंडोवरा, कोषाध्यक्ष राजकुमार सिंहल, प्रवक्ता कपिल मावर मंचस्थ रहे।

बैठक में केंद्रीय गणेश उत्सव समिति के



संरक्षक पंडित दिलीप शर्मा ने कहा कि समिति के माध्यम से अनंत चतुर्दशी पर्व पर मंदसौर शहर में प्रतिवर्ष आकर्षक एवं नयनाभिराम झांकियां निकलती है। लगातार 61 वर्षों से यह क्रम चल आ रहा है और इस वर्ष 62 वे वर्ष

में और उत्साह के साथ उत्सव को मनाया जाएगा। समिति के परामर्शदाता पंडित राधेश्याम शर्मा पार्टनर ने कहा कि मंदसौर शहर की गौरवशाली परंपरा है। इस परंपरा का यह समिति निर्वहन कर रही है। बचपन में वह अपने पिताश्री के साथ इंदौर झांकियां देखने गए थे तभी से उनके मन में आया कि क्यों ना मंदसौर में भी इंदौर की तर्ज पर झांकियां निकाली जाए और 62 वर्ष पूर्व पंडित रामनारायण शर्मा और उन दोनों ने मंदसौर शहर में झांकी निकालने की शुरुआत की जो आज तक निरंतर अनन्त चतुर्दशी पर्व पर झांकियां निकल रही है। केंद्रीय गणेश उत्सव समिति के

नव मनोनीत अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल ने कहा कि मंदसौर शहर का अनंत चतुर्दशी पर्व का उत्सव धीरे-धीरे कमजोर होता जा रहा था पिछले 5 वर्षों से समिति द्वारा मेहनत की जा रही है उसी का प्रतिफल है कि इस वर्ष 15 झांकियां अनंत चतुर्दशी पर नगर में निकलेगी इन झांकियां के साथ 7 अखाड़े भी सम्मिलित होंगे। साथ ही इस बार एक नया नवाचार किया जा रहा है मंदसौर शहर के अनेक स्थानों भगवान गणेश जी की विशालकाय प्रतिमाएँ विराजित हैं, जिन्हें इस बार नगर के 10 स्थानों पर अनन्त चतुर्दशी पर्व पर दर्शन हेतु इस चल समारोह मार्ग पर सुसज्जित ट्रैक्टर में झांकी के रूप में सम्मिलित किया जायेगा।

सिंगोली के बच्चों ने रंगों और शब्दों में बुना भविष्य का ताना-बाना



सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जब शब्दों में देश के प्रति जज्बा हो और हाथों में सपनों के रंग, तो भविष्य की तस्वीर खुद-ब-खुद साफ नजर आने लगती है। ऐसा ही कुछ नजारा स्थानीय सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक

विद्यालय में देखने को मिला। मौका था सेवा संकल्प पखवाड़ा के तहत आयोजित विकसित भारत 2047- अपने सपनों का भारत विषय पर भव्य भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का। ग्रामीण और कस्बाई अंचल के इन बच्चों ने अपनी कला और ओजस्वी विचारों से साबित कर दिया कि नए भारत की नींव कितनी मजबूत है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद सिंगोली के अध्यक्ष सुरेश जैन एवं उपाध्यक्ष मोतीलाल धाकड़ शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा युवा मोर्चा जिला मंत्री राकेश जोशी, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रशांत पालीवाल, नगर भाजपा अध्यक्ष लोकेश पटवा तथा जावद विधानसभा मीडिया संयोजक गोविंद सालवी ने शिरकत कर छत्र-छत्राओं की हैसलाअफजाई की।डिजिटल इंडिया से लेकर वैज्ञानिक प्रगति तक सब कुछ कैनवास पर उतरा।भाषण प्रतियोगिता में बनवारी गाडोलिया (कक्षा 12वीं), संध्या (कक्षा 9वीं), गायत्री गाडोलिया (कक्षा 10वीं), शंकर लाल धाकड़ (कक्षा 12वीं) तथा अलका धाकड़ (कक्षा 9वीं) ने जब मंच संभाला, तो पूरा पिरास तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा। बच्चों ने डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पर अपने बेबाक और प्रभावशाली विचार रखे। वहीं दूसरी ओर, चित्रकला प्रतियोगिता में छत्र-छत्राओं ने देश की वैज्ञानिक, सांस्कृतिक और सामाजिक प्रगति को सुंदर रंगों में पिरेकर कैनवास पर उतारा।

अतिथियों ने कहा- इन बच्चों में छुपे हैं देश के भावी वैज्ञानिक और नीति निर्माता- कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय परिसर में एक विशेष चित्रकला प्रदर्शनी लगाई गई। जब अतिथियों ने बच्चों द्वारा बनाई गई संदेशपूर्ण कलाकृतियों का बावोकी से अवलोकन किया, तो वे भी दंग रह गए। नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन ने कहा कि बच्चों की सोच में आज का आधुनिक भारत साफ दिखाई दे रहा है।यह पूरा गरिमामयी आयोजन संस्था की प्राचीन किरण जैन के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन उमेश कुमार धोबी ने किया, जबकि अंत में सभी आगंतुकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का आभार विनोद कुमार धोबी ने व्यक्त किया।

सुवासरा पुलिस ने स्मैक व डोडाचूरा के साथ एक आरोपी पकड़ा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा थाना पुलिस ने स्मैक एवं डोडाचूरा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार 18 सितंबर को मुखबीर सूचना मिली। इस पर थाना प्रभारी निरीक्षक बीडी बीरा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक केरुसिंह रावत एवं गठित टीम द्वारा गौशाला के सामने बरसई-कुरावन रोड से आरोपी मदनसिंह पिता शंकर सिंह सौंधिया 45 वर्ष निवासी ग्राम आसपुरा थाना सुवासरा को हिरासत में लिया गया। तलाशी में इसके कब्जे से 7 किलो डोडाचूरा एवं जेब में रखी 30 ग्राम स्मैक बरामद हुई। आरोपी से डोडाचूरा व स्मैक के स्रोत के संबंध में पूछताछ की गई, बताया कि फारूख पठान निवासी घाटाखेड़ी थाना ढाग जिला झालावाड़ राजस्थान से मादक पदार्थ लेकर आया था। मामले में सुवासरा थाने पर एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपी मदनसिंह का पुलिस रिमांड लेकर तस्कारी में लिस अन्य तस्करों के संबंध में तपत्तीश की जा रही है।

दलौदा पुलिस की तपत्तीश में कटेनर से मिला 71 किलो डोडाचूरा, दो आरोपी धराए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दलौदा थाना उपनिरीक्षक के प्रभार वाली श्रेणी में आता है। इस थाने के प्रभारी रविन्द्र प्रताप डांगी के नेतृत्व में टीम ने कटेनर वाहन की तलाशी ली, जिसमें 71 किलो डोडा चूरा निकलना बताया गया है। मामले में मौके से दो आरोपी हिरासत में लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार 18 सितंबर को मुखबीर से सूचना मिली, जिस पर कार्रवाई में कटेनर वाहन में नीमच की ओर से प्लास्टिक के कट्टों में डोडाचूरा रसमाम की ओर ले जाने की सूचना रही। इस पर टीआई द्वारा गठित टीम में शामिल सड़िन प्रमोदसिंह तोमर एवं अन्य द्वारा हाईवे पर लखमाखेड़ी के निकट नाकाबंदी की गई। इस दौरान दलौदा की ओर से राजस्थान पासिंग कटेनर वाहन आता दिखा। वाहन को रोका व चालक ने अपना नाम सुखराम पिता रामचंद्र जाट 33 वर्ष निवासी बांरसिंदरी जिला अजमेर निवासी बताया। कटेनर में परचुनी के सामान के साथ प्लास्टिक के कट्टों में पीसा और छिलके वाला डोडाचूरा मिला, जिसका वजन 71 किलो बताया गया । ड्राईवर की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में उसने बताया कि यह डोडाचूरा जीनन में हाईवे किनारे ग्राम सरगग्राम के समीप हेप्पी हरिणारा ढाबा के गुरमीत उर्फ हेप्पी पिता बलदेवसिंह तरखान जाति खाली 40 वर्ष निवासी ग्राम हरसीपीगड जिला हेशियारपुर पंचाव हल मुकाम सरगग्राम में, से लाया था। प्रकरण में गुरमीत सिंह को भी आरोपी बनाकर गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों से अन्य तथ्यों के संबंध में पड़ताल की जा रही है।

व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत 103 विद्यार्थियों का औद्योगिक भ्रमण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2, मंदसौर में व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के 103 विद्यार्थियों को श्री जी नर्सिंग कॉलेज का भ्रमण कराया गया। औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने कॉलेज की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों, व्यवस्थाओं एवं



सुविधाओं का अवलोकन किया। कॉलेज के विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बाद उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों,

करियर विकल्पों तथा रोजगार के अवसरों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। विद्यार्थियों ने रुचिपूर्वक विभिन्न गतिविधियों को समझा और अपने भविष्य से संबंधित उपयोगी जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर विद्यार्थियों को औद्योगिक भ्रमण के लिए मुध्द अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनय डुबेला, प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष अनिल कियावत एवं बस एसोसिएशन अध्यक्ष शिखर चंद रातड़िया तथा विद्यालय के प्राचार्य विजय सिंह पुरावत द्वारा

हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्राचार्य विजय सिंह पुरावत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुसार भविष्य के करियर का चयन करना चाहिए। उन्होंने कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बाद उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों और रोजगार के अवसरों पर विद्यार्थियों को विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। औद्योगिक भ्रमण में विद्यालय के व्यावसायिक शिक्षक दीपक तिवारी (आईटी ट्रेड), कैप्टन सुरेश

परमार (सिस्कोरिटी ट्रेड), साधना श्रीवास्तव, पुणेंद्र कुंवर चौहान, गिरिजा मंगोलिया, राजेंद्र कुमार भोंई, रामगोपाल राठौर, अतुल भटवरा एवं अंकित कुमार सहित विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। विद्यालय द्वारा आयोजित इस औद्योगिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना, विभिन्न करियर विकल्पों से परिचित कराना, रोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक करना तथा भविष्य के लिए सही दिशा चुनने में मार्गदर्शन प्रदान करना रहा।

उज्जैन, रविवार 20 सितम्बर 2026

पेज नं. 4

सम्पादकीय

राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं एवं जातिगत संघर्ष आर्थिक विपन्नता का बड़ा कारण

आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध आते रहे हैंच देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी हो सकती है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत विलाष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्ष के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और समाज में वर्ग विभेद,आर्थिक विभेद कर के अपना उड्डू सीधा करना मुल्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाति ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू,मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगडे देश में अशान्त माहौल पैदा करने का एक बड़ा साबब बन चुके है और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राग्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल भाषणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेगे। पर स्वतंत्रता के 79 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखात से शांतिप्त किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें समुपेक्ष लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भूखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी। आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह संस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 79 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी ,बेरोजगारी ,नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता,भाषावाद एवं क्षेत्रीय विपन्नकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं।

आत्मरूपी दर्पण का दर्शन ही धर्म पथ की यात्रा का प्रारंभ है



सहजयोग ध्यान हमें बाहरी भौतिक संसार की निरंतर भावदौड़ से कुछ क्षण स्वयं की ओर लौटने का अवसर प्रदान करता है। श्री माताजी प्रणित सहजयोगी की साधना के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर स्थित आत्मस्वरूप को जानने और अपने आंतरिक सौंदर्य का अनुभव करने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

हमारी पांच ज्ञानेंद्रियां हमें बाहरी संसार का अनुभव कराती हैं। हम अपने आसपास की वस्तुओं, लोगों और प्रकृति को देख सकते हैं, सुन सकते हैं और अनुभव कर सकते हैं, लेकिन अपने भीतर के वास्तविक स्वरूप को जानने के लिए अंतर्मुखी होना आवश्यक है। सहजयोग में आत्मसाक्षात्कार की अवस्था को इसी आंतरिक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव माना गया है।

जब कुंडलिनी जागृत होकर सहस्रार की ओर आरोहण करती है, तो साधक के भीतर धर्म और विवेक की चेतना जागृत होने लगती है। यह अनुभूति किसी बाहरी प्रदर्शन या किसी पर थोपे जाने वाली वस्तु नहीं है। धर्म का वास्तविक आनंद प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं अपने भीतर अनुभव करना होता है।

जिस प्रकार किसी को दान देने का भाव व्यक्ति और परमात्मा के बीच का निजी संबंध होता है और उसमें बाहरी दिखावे की आवश्यकता नहीं होती, उसी प्रकार आत्मिक गुणों और पवित्रता का आनंद भी मूलतः व्यक्तित्व अन्तर्भूत है। कोई व्यक्ति गुणी हो तो उसके गुणों का सम्मान और समर्थन किया जा सकता है, लेकिन उसके अंतर्मन में प्रवाहित होने वाले आनंद का अनुभव कोई उसके स्थान पर नहीं कर सकता।

श्री माताजी ने आत्मा और आत्मसाक्षात्कार को समझाने के लिए दर्पण का सुंदर दृष्टांत दिया है। ईश्वर को सौंदर्य का स्रोत माना जाता है, लेकिन अपने ही स्वरूप को देखने के लिए उन्हें भी एक दर्पण की आवश्यकता होगी। जैसे मोती अपने भीतर छिपे सौंदर्य को स्वयं नहीं देख सकता, आकाश अपनी विशालता को स्वयं नहीं निहार सकता और सूर्य अपनी ही प्रभा को रूपे नहीं देख सकता, उसी प्रकार परम सत्ता ने इस सृष्टि को अपने प्रतिबिंब के रूप में रचा है।

प्रकृति की विविध रचनाओं के बाद मनुष्य की सृष्टि हुई। अनेक अनुभवों और जीवन यात्राओं के पश्चात प्राप्त इस मानव जीवन को यदि मनुष्य केवल नशे, अतिवाद, भौतिक आकर्षण और बाहरी उपलब्धियों में उलझाकर व्यतीत कर दे, तो वह अपने भीतर छिपी संभावनाओं से दूर रह जाता है।

श्री माताजी का संदेश है कि मनुष्य जब तक स्वयं को नहीं पहचानता, तब तक उसे अपनी वास्तविक महानता और आंतरिक आनंद का बोध नहीं हो पाता। सहजयोग साधना आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से इसी आत्म पहचान की दिशा में मार्ग प्रशस्त करता है।

आत्मसाक्षात्कार के पश्चात जब साधक अपनी चेतना और चित्त को आत्मा की ओर केंद्रित करता है, तो वह अपने भीतर के वास्तविक स्वरूप का प्रतिबिंब देखने की दिशा में बढ़ता है। इस आंतरिक जागरूकता के साथ कुविचार, कुसंस्कार और स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाली प्रवृत्तियों से दूरी बनाना सहज हो जाता है तथा मनुष्य अपनी पवित्रता, संतुलन और आंतरिक आनंद को स्वयं अनुभव करता है।

सेवानिवृत्ति सामान्यतः वह घड़ी है, जब आदमी अपनी उपलब्धिका का हिसाब करता है और आगे के जीवन की सुविधाओं की चिंता करता है। लेकिन न्यायमूर्ति अवनीन्द्र कुमार सिंह को विदाई ने इस अर्थ को उलट दिया। 36 वर्षों की न्यायिक सेवा के बाद जब वे मध्य प्रदेश हाई कोर्ट से विदा हुए, तब उनके साथ उपलब्धियों की सूची नहीं, समाज के नाम दो संकल्प थे—जीवन में अर्जित जीपीएफ की लगभग एक करोड़ एक लाख रुपये की राशि प्रधानमंत्री केयरस फंड को देने का निर्णय और मृत्यु के बाद अपनी देह चिकित्सा शिक्षा को समर्पित करने का संकल्प। फुल कोर्ट फेयरवेल में उनका कहना—‘‘अपने लिए जिए तो क्या जिए+—विदाई का वाक्य नहीं, जीवन की कसौटी बन गया।

इस प्रसंग की असली ताकत रकम के आकार में नहीं, उस मानसिकता में है जिसने रकम को ‘अपना’ मानने के बजाय ‘समाज का’ मान लिया। एक करोड़ एक लाख रुपये वर्षों की कमाई और भविष्य की सुरक्षा का आधार हो सकते हैं। लेकिन सिंह ने उस धन को निजी उपलब्धि मानने के बजाय सार्वजनिक उपयोग में लगाने का संकल्प लिया। यह फर्क छोटा दिखता है, पर यहीं व्यक्ति और नागरिक के बीच की दूरी मिटती है। धन का संचय मनुष्य को सुरक्षित कर सकता है, मगर उसका सार्थक उपयोग किसी दूसरे जीवन को संभाल सकता है। यहीं दान आर्थिक व्यवहार से आगे बढ़कर सामाजिक उत्तरदायित्व का वक्तव्य बन जाता है।

मनुष्य मृत्यु के बाद क्या छोड़ जाता है—यही प्रश्न इस

फिर उठा वैवाहिक दुष्कर्म का प्रश्न

हाल में ऋषिकेश साहू बनाम कर्नाटक राज्य एवं अन्य मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक दुष्कर्म से जुड़े एक ऐसे प्रश्न को सामने रखा, जिसका उत्तर केवल कानून की किसी एक धारा में तलाशना आसान नहीं है। अदालत यह विचार कर रही थी कि जब तक विवाह के भीतर पति द्वारा पत्नी के साथ बनाए यौन संबंध को दुष्कर्म की श्रेणी से बाहर रखने वाले कानूनी अपवाद की संवैधानिक वैधता पर अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, तब तक क्या उसी अपवाद के रहते किसी पति के खिलाफ दुष्कर्म के आरोप में अभियोजन चलाया जा सकता है? यहां एक ओर विवाह के भीतर महिला की सहमति, गरिमा और शारीरिक स्वायत्तता का प्रश्न है तो दूसरी ओर किसी व्यक्ति को उस कृत्य के लिए दंडित किए जाने का प्रश्न भी है, जिसे कानून उस समय अपराध के दायरे से बाहर रखता है। सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई ने इसी टकराव को फिर से हमारे सामने ला दिया है।

वर्ष 2017 में दिल्ली हाई कोर्ट के सामने वैवाहिक दुष्कर्म के अपवाद को चुनौती देने वाली दो याचिकाएं पहुंचीं। इन पर दिए गए फैसले में एक ही पीठ के दो न्यायाधीशों की राय अलग-अलग थी। न्यायमूर्ति राजीव शकधर ने कहा, विवाह में प्रवेश करने वाली महिला अपने पति के अधीन नहीं हो जाती और न ही वह हर परिस्थिति में यौन संबंध के लिए अपनी स्थायी सहमति देती है। दूसरी ओर न्यायमूर्ति सी. हरि शंकर ने वैवाहिक दुष्कर्म को अपराध की श्रेणी में लाने से असहमति जताते हुए कहा, यह अपवाद कहता है कि पति और पत्नी के बीच यौन कृत्य दुष्कर्म नहीं है। न्यायालय की इन दोनों राय के बीच केंद्र सरकार एक अलग दृष्टिकोण रखती है। 2024 में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दाखिल अपने हलफनामे में वैवाहिक दुष्कर्म के अपवाद को हटाने का विरोध किया। सरकार ने माना कि पति को निश्चित रूप से पत्नी की सहमति का उल्लंघन करने का कोई मौलिक अधिकार नहीं है, लेकिन विवाह जैसी संस्था के भीतर होने वाले कृत्य को भारत में मान्य दुष्कर्म के अपराध के रूप में देखा न अत्यधिक कठोर और इसलिए असंगत माना जा सकता है।

सरकार ने आगे कहा, विवाह से महिला की सहमति समाप्त नहीं होती और उसकी सहमति के उल्लंघन के परिणाम दंडनीय होने चाहिए। ऐसे मामलों से निपटने के लिए भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और पेरुलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 में पहले से ही ऐसे कानूनी प्रबंधन मौजूद हैं। पेरुलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा-3 के अनुसार महिला के साथ किया गया ऐसा यौन व्यवहार, जो उसकी इच्छा के विरुद्ध हो, उसे अपमानित करे या उसकी गरिमा का उल्लंघन करे, यौन हिंसा के दायरे में आता है। यानी विवाह के भीतर महिला के साथ होने वाली यौन हिंसा के लिए कानून में पहले से स्पष्ट परिभाषण मौजूद है। ऐसी स्थिति में महिला को संरक्षण देने के साथ-साथ न्यायालय से विभिन्न प्रकार की राहत पाने का अधिकार भी है। यह समझना होगा कि जिस कानून को बनाने की बात की जा रही है।

—सुनील कुमार महला

संकल्प को असाधारण बनाता है। न्यायमूर्ति सिंह और उनकी पत्नी इंदिरा ने जलपरक के सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में देहदान का पंजीकरण करारकर अपनी देह को समाज की धरोहर बना दिया। मृत्यु के बाद यही शरीर चिकित्सा विद्यार्थियों के अध्ययन का माध्यम बनेगा, जो आगे अनेक जीवन बचाने वाले चिकित्सक तैयार करेंगे। हम जीवनभर जिस देह को अपनी पहचान मानते हैं, वह अंततः किसी और के ज्ञान और जीवन की राह रोशन कर सकती है। जीवन की कमाई आज किसी पीड़ित के काम आएगी, तो देहदान कल चिकित्सा-विज्ञान के। एक संकल्प वर्तमान को सहारा देगा, दूसरा भविष्य को दिशा। यही इस दान की सबसे मार्मिक सार्थकता है।

इस कहानी में पत्नी इंदिरा की भूमिका केवल पारिवारिक प्रसंग नहीं है। न्यायमूर्ति सिंह ने बताया कि समाज के लिए कुछ करने की प्रेरणा उनकी पत्नी की इच्छा से आई और उन्होंने उसका सम्मान किया। उन्होंने अपने अंदाज में कहा कि पूरे कार्यकाल में पत्नी की बात मानी और अब समाज के लिए देहदान की उनकी बात भी मानी जाएगी। इस हल्के हास्य में दांपत्य का गंभीर सत्य छिपा है—बड़ा सामाजिक निर्णय अक्सर अकेले व्यक्ति का नहीं होता, परिवार की चेतना उसका आधार बनती है। जब पति-पत्नी दोनों मृत्यु के बाद भी अपनी देह समाज के लिए उपयोगी बनाने पर सहमत हों, तो सेवा प्रदर्शन नहीं, साझा जीवन-दृष्टि बन जाती है।

न्यायमूर्ति सिंह की न्यायिक यात्रा देखें तो यह संकल्प

सत्ता से संघर्ष तक: ममता बनर्जी का राजनीतिक यथार्थ

ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छत्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में घोर राजनीतिक व कानूनी संकटों से घिरे तक की एक बड़ी दास्तान है। जो ‘दीदी’ कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढहने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी पर मुश्किलों के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं— पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी। खुद ममता बनर्जी को भी अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से शुभेंद्रु अधिकारी के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी।

15 साल तक राज्य पर राज करने के बाद सत्ता से बाहर होना उनके राजनीतिक पतन की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरा, ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत हमेशा उनकी पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ थी। लेकिन वर्तमान में टीएमसी के भीतर एक बड़ी बगावत छिड़ गई है। कई विधायकों और सांसदों ने अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव और पार्टी में तानाशाही रव्वे को लेकर बगावती रुख अख्तियार कर लिया है, जिससे पार्टी दो फाड़ होने की कगार पर पहुंच गई है। तीसरा, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा कानूनी और भावनात्मक झटका तब लगा जब चुनाव आयोग ने पार्टी में आंतरिक विवाद के कारण तृणमूल कांग्रेस के नाम और उनके प्रसिद्ध चुनाव चिह्न ‘जोड़ा फूल’ को फ्रीज (रोक लगा दी) कर दिया। आयोग ने दोनों गुटों को अस्थायी रूप से नए नाम और सिंबल दिए हैं। ममता बनर्जी ने इसे भारतीय लोकतंत्र का ‘काला दिन’ बताया है और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुखा दिया है। चौथा, सत्ता से हटते ही ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है— चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने के आरोप में उनके खिलाफ कोलकाता और सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज की गई हैं।

अगस्त 2026 में कोलकाता में छत्र संगठन (टीएमसीपी) की रैली के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में भी पुलिस ने उन पर मामला दर्ज किया है। उनकी पिछली सरकार पर एक विधायन एजेंसी को रु. 635 करोड़ से अधिक का ठेक देने में गड़बड़ी जैसे भ्रष्टाचार के नए आरोप लग रहे हैं। पांचवां, ममता बनर्जी ने हमेशा खुद को जनता की लड़ाई लड़ने वाली और महिलाओं के अधिकारों की रक्षक के रूप में पेश किया था।

अनिश्चितता से घिरा मुस्लिम जगत

है। यह स्थायी भी हो सकता है।

इसलिए भी, क्योंकि कई मुस्लिम देश भी हमास को नासंदेह करते हैं। इस तरह इजरायल की स्थिति पहले से सुधरी है, जबकि उस देश को मिटा देना ईरानी शासक घोषित लक्ष्य रखते हैं। आने वाले दिनों में इजरायल की स्थिति और मनबूझत होने की संभावना है, क्योंकि सऊदी अरब अपनी रक्षा के लिए उसका साथ लेना चाहता है। तकनीकी, आर्थिक और सामरिक, तीनों क्षेत्रों में उसकी ताकत काफी कुछ अपने बल पर है।

जिस इजरायल को दो दशक पहले आसपास के तमाम मुस्लिम देशों से घोषित खतरा रहता रहा, वह आज अनेक शत्रुओं से मुक्त जैसी स्थिति में है। वस्तुतः-ईरान के अलावा इजरायल पर हमले करने की चाह रखने वाला शायद ही कोई मुस्लिम देश है। इसका अर्थ यह भी है कि अरब देशों की इस्लामी एकता और अंतरराष्ट्रीय दबदबे की पिछनी राजनीति नष्टप्राय हो चुकी है। हालिया वर्षों में ईरान के अलावा कोई भी मुस्लिम देश इजरायल के खात्मे की बात करने वाला नहीं रह गया है।

पश्चिमी एशिया में अभी अमेरिकी उदासीनता झलकने के बाद से वहां रणनीतिक खालीपन जैसा आया है। उसे भरने न तो चीन, न रूस, न नाटो आता दिखाई दे रहा है। तब ईरान वहां अकेले कोई दबदबा बनाए, इसे आसपास के सभी मुस्लिम देश नामंजूर करेंगे। ईरान की बढ़त जितनी दिख रही है, उतनी बेरी रहना भी संदिग्ध है। इसके कारण बाह्य और अंदरूनी, दोनों हैं। ईरान की सत्ता जगजाहिर रूप से इस्लामी तानाशाही है। उसके विरुद्ध अंदरूनी अस्तोष व्यापक है, जिसे कठोर दमन से ही नियंत्रित रखा गया है। संपूर्ण मुस्लिम जगत में तुर्किये और ईरान में ही सबसे अधिक आधुनिक मानसिकता के मुस्लिम हैं, जो इस्लाम को बीती बात समझते हैं। फलतः-ईरान की इस्लामी सत्ता देश के अंदर कठोरता रखने से ही बची रही है। अभी तक अमेरिका को खबर का देने और अमेरिका-विरोध के नाम पर ही वह देश में अपना वैचारिक दबाव या नैतिक वैधता बनाए रही है, किंतु यह एक बनावटी, दुर्बल आधार है।

दरअसल, +अपने लिए जिए तो क्या जिए+ का अर्थ यह नहीं है कि मनुष्य अपने या परिवार के लिए जीना छोड़ दे। समाज भी परिवारों से बनता है और व्यक्तिगत सुरक्षा जीवन की आवश्यकता है। इस वाक्य का गहरा अर्थ है कि जीवन की अंतिम उपलब्धि केवल यह न हो कि हमने अपने लिए कितना बचाया। पद समाप्त होता है, वेतन रुकता है, कार्यालय छूटता है, नामपट्टिका उतर जाती है, तब बचता है, जो हम पीछे छोड़ जाते हैं। न्यायमूर्ति सिंह की विदाई इसलिए अलग है कि उन्होंने रिटायरमेंट को उपभोग की शुरुआत नहीं, उपयोगिता का विस्तार बनाया। पद से मुक्ति के क्षण को उन्होंने समाज से अपने रिस्ते की पुनर्गुंथि में बदल दिया।

मनुष्य की असली पहचान उसके पास बची चीजों से नहीं, उसके जाने के बाद बची उपयोगिता से होती है। न्यायमूर्ति सिंह की विदाई इसी सत्य को रेखांकित करती है। न्याय की कुर्सी पर उन्होंने कानून का दायित्व निभाया और विदा होते अपनी कमाई तथा देह समाज को दे दी। एक करोड़ एक लाख रुपये जरूरतमंदों के सहारा बनेंगे, देह भावी चिकित्सकों के ज्ञान का आधार बनेगी और यह संकल्प सवाल छोड़ेगा—जीवन मिला तो हमने अपने लिए कितना रखा और कितना के लिए क्या छोड़ा? विदाई की सार्थकता यही है कि व्यक्ति चला जाए, पर उसकी उपयोगिता बनी रहे। अपने लिए जिए तो क्या जिए- यह वाक्य अब उनका नहीं, समाज के लिए छोड़ा प्रश्न है।

—प्रो. आरके जैन

असफलता के उपरांत पार्टी के भीतर दबा हुआ असंतोष अचानक बाहर आ गया। विधायकों और सांसदों के एक बड़े धड़े ने शीर्ष नेतृत्व की कार्यशैली पर प्रश्न चिह्न खड़े कर दिए।

तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक विभाजन के बाद दोनों गुटों द्वारा अधिकार जताए जाने के कारण आयोग को कड़ा कदम उठाना पड़ा। वर्षों पूर्व जिस पहचान को उन्होंने अपने कड़े परिश्रम और संघर्ष से सौंचा था, उसी से वंचित हो जाना उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा संवैधानिक झटका माना जा रहा है। यद्यपि उन्होंने इस निर्णय को लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताते हुए शीर्ष अदालत का द्वार खटखटाया है, परंतु तत्काल रूप से इस स्थिति ने दल के कार्यकर्ताओं में भारी असमंजस पैदा कर दिया है। सत्ता से बाहर होते ही ममता बनर्जी बहुआयामी कानूनी चुनौतियों से भी घिर गई हैं। चुनावी अभियानों के दौरान दिए गए बयानों को लेकर उनके खिलाफ विभिन्न स्थानों पर प्राथमिक दर्ज कराई गई हैं। जनसभाओं और रैलियों के संचालन में उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन तथा व्यवस्था बिगाड़ने के आरोपों में भी दंडात्मक कार्यवाहियाँ शुरू की गई हैं। ये तमाम कानूनी उलझनें न केवल उनकी प्रशासनिक छवि पर प्रश्न खड़े करती हैं, बल्कि उन्हें राजनीतिक पुनर्निर्माण के स्थान पर कानूनी बचाव की मुद्रा में ला खड़ा करती हैं।

ममता बनर्जी की वास्तविक पूंजी उनकी साख थी, जो एक साधारण, त्यागपूर्ण और आम जनता की रक्षक के रूप में बनी थी। जनाक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। इसके बावजूद विपरीत परिस्थितियों में पत्नी-बढ़ी ममता बनर्जी ने आसानी से घुटने न टेकने का संकल्प दोहराया है। राजनीति से संन्यास लेने की बातों को खारिज करते हुए उन्होंने पुनः जन-सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने का मार्ग चुना है। वर्तमान परिस्थितियों में उन्होंने अपनी रणनीति बदलते हुए अन्य विपक्षी दलों के साथ हाथ मिलाना शुरू किया है। नंदीग्राम उपचुनाव में अपने प्रत्याशी का नाम वापस लेकर कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करना इसी रणनीति का भाग है। संक्षेप में कहा जाए तो ममता बनर्जी का वर्तमान समय उनके राजनीतिक जीवन की सबसे कसौटी पूर्ण परीक्षा का काल है। एक ओर दल में टूट, नाम व प्रतीक का स्थान और मुकदमों का अंबार है, तो दूसरी ओर अपनी खोई सत्ता को पुनः प्राप्त करने की विशाल चुनौती। इतिहास साक्षी है कि वे संकटों से उभरकर वापसी करने में माहिर रही हैं, किंतु इस बार चुनौती केवल राजनीतिक विरोधियों से नहीं, बल्कि अपनी ही बिखरी हुई विरासत को समेटने की है। अब यह देखना अत्यंत दिलचस्प होगा कि क्या वे अपने जनआंदोलन की पुरानी शैली के बल पर इस राजनीतिक चक्रव्यूह को भेद पाती हैं या नहीं।

—ललित गर्ग

ईरान के प्रबुद्ध वर्ग में यह प्रश्न दिनों-दिन बढ़ेगा कि गत चार दशकों में ईरानी सत्ता द्वारा अमेरिका को मौत की जिद से ईरान को क्या मिला? ईरान ने केवल आस-पास के अमेरिकी अड्डों और सैनिक मित्र देशों को हानि पहुंचाई। अमेरिकी शक्ति केवल उसके कंधे नहीं, आर्थिक, तकनीकी, बौद्धिक, सांस्कृतिक भी है। इन सभी क्षेत्रों में ईरान पीछे है। प्राकृतिक तेल के एक सबसे बड़े भंडार के सिवा ईरान की रणनीतिक शक्ति बाहरी दुनिया के लिए नागण्य अर्थ रखती है। तब ऐसी बेमेल और अनावश्यक दुश्मनी ईरान की इस्लामी सत्ता ने क्यों ठान रखी है? पश्चिम एशिया में अमेरिका द्वारा सैन्य उदासीनता से उस क्षेत्र में शक्ति-संतुलन किसी के पक्ष में जाने के बदले अनिश्चित बने रहने की दिशा है।

यह कुल मिलाकर तमाम मुस्लिम देशों के आपसी संबंधों को अधिक बदलेगा। अब सभी को पहले अपनी परवाह करने की चिंता रहेगी। अर्थात मुस्लिम देश इस्लामी एकता के बजाय नई सेन्सयुलर दिशाओं की तलाश अधिक व्यावहारिक समझेंगे। इसका एक बड़ा कारण स्वयं इस्लामी मतवाद पर दुनिया का फोकस बढ़ना भी है। सितंबर 2001 में न्यूयार्क पर जिहादी हमले के बाद 25 वर्षों ने संपूर्ण इस्लामी सिद्धांत-व्यवहार के प्रति पूरे विश्व को नए सिरे से सजग, शिक्षित किया है। वह प्रकृिया दिनों-दिन बढ़ रही है। जिसमें स्वयं मुस्लिम समाज में पुनर्विचार बढ़ना भी शामिल है। इसने तुलनात्मक रूप से तमाम मुस्लिम शासकों, नेताओं और उच्च वर्ग को भी बहुत कुछ सिखाया है। वे अनुभव और अवलोकन से इस्लामी मतवाद की खामियों और अप्रासंगिकता को पहलने से अधिक समझ रहे हैं। इजरायल के प्रति उनकी नीति में बदलाव भी उसी का संकेत है। ईरान-अमेरिका युद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय राजनीति में आने वाले बदलाव सकारात्मक भी हो सकते हैं। अमेरिका के कमजोर होने के बदले इस्लामी मानसिकता के कमजोर और परास्त होने की भी संभावना है।

—धनंजय राजौरा

ऑनलाइन लाइसेंस व्यवस्था के बावजूद उद्यान विभाग की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

अधिकारी के नाम पर राशि मांगने की चर्चाओं ने बढ़ाई चिंता, लाइसेंसधारियों से जानकारी लेकर प्रशासन कर सकता है वास्तविकता की पड़ताल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए शासन ने अनेक सेवाओं को ऑनलाइन व्यवस्था से जोड़ा है। उद्यान विभाग से संबंधित लाइसेंस के लिए भी आवेदक ऑनलाइन आवेदन करता है और निर्धारित प्रक्रिया के तहत दस्तावेजों के परीक्षण के बाद लाइसेंस जारी किया जाना है। इसके बावजूद कार्यालय उपसंचालक उद्यान, जिला इंदौर की लाइसेंस प्रक्रिया को लेकर लेन-देन से जुड़ी चर्चाएं सामने आने से विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अधिकारी के नाम पर राशि मांगने की चर्चा- कार्यालय की लाइसेंस प्रक्रिया को लेकर यह चर्चा है कि आवेदकों से विभागीय कार्य आगे बढ़ने अथवा लाइसेंस जारी कराने के नाम पर अधिकारियों का हवाला देते हुए राशि की मांग की जाती है। यदि ऐसा हो रहा है

तो यह ऑनलाइन और समयबद्ध सरकारी सेवा की मूल भावना के विपरीत होगा।

मामले की वास्तविकता सामने लाने के लिए प्रशासन द्वारा लाइसेंस प्रक्रिया से जुड़े आवेदकों से सीधे जानकारी लेना महत्वपूर्ण हो सकता है। इससे यह पता लगाया जा सकता है कि आवेदन से लेकर लाइसेंस जारी होने तक आवेदकों को किन परिस्थितियों से गुजरना पड़ा।

लाइसेंसधारियों से पूछताछ से सामने आ सकती है तस्वीर-पिछले कुछ समय में लाइसेंस प्राप्त करने वाले आवेदकों से सीधे संपर्क कर उनसे आवेदन प्रक्रिया, कार्यालय में बुलाए जाने, दस्तावेज परीक्षण और लाइसेंस जारी होने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली जा सकती है।

यदि आवेदकों से प्राप्त जानकारी का मिलान ऑनलाइन आवेदन, विभागीय रिकॉर्ड, दस्तावेज परीक्षण और लाइसेंस जारी होने की

तारीखों से किया जाए तो पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता का अकलन किया जा सकता है।

ऑनलाइन आवेदन के बाद भी कार्यालय के चक्कर क्यों?- जब लाइसेंस के लिए आवेदन ऑनलाइन लिया जा रहा है और सेवा के लिए निर्धारित समय-सीमा भी तय है, तो आवेदकों को बार-बार कार्यालय आने की आवश्यकता क्यों पड़ती है, यह भी जांच का महत्वपूर्ण बिंदु है।

दस्तावेजों में कमी या किसी अन्य आपत्ति की स्थिति में आवेदक को नियमानुसार स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए। यदि प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है तो आवेदक को किसी व्यक्ति के माध्यम से अपना काम करवाने अथवा अतिरिक्त राशि देने की स्थिति नहीं बननी चाहिए।

प्रशासन चाहे तो कुछ दिनों में सामने आ सकती है हकीकत - मामले में जिला प्रशासन अथवा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी यदि हल में जारी किए गए लाइसेंसों का रिकॉर्ड निकालकर

संबंधित लाइसेंसधारियों से सीधे संपर्क करें तो वास्तविक स्थिति काफी हद तक सामने आ सकती है।

ऑनलाइन आवेदन से लेकर लाइसेंस जारी होने तक की पूरी प्रक्रिया का परीक्षण, आवेदकों के बयान और विभागीय रिकॉर्ड का मिलान इस बात को स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त हो सकता है कि प्रक्रिया नियमों के अनुरूप चल रही है या नहीं किसी स्तर पर अनियमितता की गुंजाइश बनी हुई है।

जनहित में पारदर्शिता जरूरी- यह मामला किसी व्यक्ति विशेष को दोषी ठहराने का नहीं, बल्कि सरकारी व्यवस्था की पारदर्शिता सुनिश्चित करने का है। कार्यालय उपसंचालक उद्यान, जिला इंदौर में लाइसेंस प्रक्रिया से जुड़ी किसी भी प्रकार की लेन-देन संबंधी चर्चा को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन द्वारा तथ्यात्मक पड़ताल की जाए तो स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकती है।

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नन्हें हाथों में ब्रश और जुवान पर देश के लिए सपने। सेवा-संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को ग्वालियर जिले के स्कूलों में मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला एवं भाषण

प्रतियोगिताएं हुईं। विद्यार्थियों ने अपनी कल्पना और देशप्रेम को रंगों और शब्दों में उतार दिया। जिले के विभिन्न सरकारी व निजी स्कूलों में छठवें से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने इस प्रकृति बचाने के हिस्सा लिया। चित्रों में बच्चों का भारत हरियाली से भरा, स्वच्छ और सुंदर दिखा। कहीं स्वच्छता ही सेवा का संदेश था, कहीं प्रकृति बचाने की पुकार, तो कहीं आत्मनिर्भर भारत की तस्वीर। अनेक बच्चों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जनकल्याणकारी प्रयासों को चित्रित

किया। कई चित्रों में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के व्यक्तित्व और संविधान निर्माण में उनके योगदान को भी दर्शाया गया। भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, शिक्षा, सामाजिक समानता और संविधान के मूल्यों पर प्रभावी ढंग से विचार रखे।

उनका सपना ऐसा भारत है, जहां स्वच्छता जीवनशैली बने, प्रकृति सुरक्षित रहे, हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और हर नागरिक देश के विकास में अपनी भूमिका निभाए। इन प्रतियोगिताओं

ने बच्चों को केवल मंच ही नहीं दिया, बल्कि अपने सपनों का भारत गढ़ने में अपनी जिम्मेदारी समझने का अवसर भी दिया। बच्चों की रचनाएं इस बात का प्रमाण रही कि बेहतर भारत का सपना नई पीढ़ी के मन में पूरे उत्साह के साथ आकार ले रहा है। जिले के सांदीपनि स्कूल कुलैथ, सांदीपनि कन्या विद्यालय ग्वालियर व डीडीनगर, ग्वालियर ग्लोरी स्कूल, प्रगति विद्यापीठ, पीएमश्री हस्तिनापुर, शासकीय अनुसूचित जाति सीनियर कन्या छात्रावास जयदेगंज, शासकीय हाईस्कूल बहोड़ापुर, डेजी मोरल चिल्ड्रन हायर सेकेण्ड्री स्कूल डबरा व एसएटीएस पब्लिक हायर सेकेण्ड्री स्कूल सहित जिले के अठ्ठिकांश शासकीय व निजी विद्यालयों में मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं।

सीमित भूमि से निकली समृद्धि की राह : नर्सरी ने उषा रावत को बनाया आत्मनिर्भर

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जहां सीमित जमीन अक्सर सपनों की सीमा तय कर देती है, वहीं उषा रावत ने सही प्रशिक्षण और मेहनत की बदौलत सीमित भूमि से समृद्धि की नई राह बनाई है। आधुनिक नर्सरी प्रबंधन अपनाकर उषा अब सालाना लगभग 6 लाख रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित कर रही हैं।

ग्वालियर जिले के भितरवार विकासखंड के ग्राम निकोड़ी निवासी श्रीमती उषा रावत का परिवार पहले पूरी तरह खेती पर निर्भर था। खेती की कम भूमि के कारण घर का खर्च और बच्चों की पढ़ाई का बोझ उठाना कठिन था। हालात से हार मानने के बजाय उन्होंने बदलाव का रास्ता चुना। आत्मा योजना के अंतर्गत नर्सरी प्रबंधन का प्रशिक्षण लेकर उन्होंने बीज उपचार, सुनियोजित खेती की तैयारी, सही बुवाई, सिंचाई, पोषक तत्व प्रबंधन तथा कीट-रोग नियंत्रण की वैज्ञानिक विधियां सीखीं और सब्जियों, फूलों व अन्य उपयोगी पौधों की स्वस्थ पौध तैयार करना शुरू किया। गुणवत्ता ने जल्द ही रंग दिखाया।

आसपास के किसानों का भरोसा बढ़ा, पौधों की मांग



बढ़ी और यह नर्सरी उनके परिवार की आय का स्थायी स्रोत बन गई। लगभग 4 लाख रुपये की लागत लगाकर उन्होंने करीब 10 लाख रुपये की आय अर्जित की, यानि लगभग 6 लाख रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। इस आय ने उषा रावत के परिवार का भविष्य संवार दिया है। बड़ी बेटी बी.ए. के बाद एम.एस.डब्ल्यू. कर रही है, बेटा बी.ए. की पढ़ाई कर रहा है और छोटी बेटी कृषि विज्ञान के साथ कक्षा 12वीं में अध्ययनरत है। उषा आज परिवार की आर्थिक गतिविधियों और कृषि संबंधी निर्णयों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उनकी सफलता से प्रेरित होकर आसपास के किसान भी पौध उत्पादन और आधुनिक तकनीक अपना रहे हैं। उषा की सफलता सेवा संकल्प अभियान की भावना को भी साकार करती है। यह अभियान शासकीय योजनाओं का मार्गदर्शन गांव-गांव पहुंचाकर किसान परिवारों को आत्मनिर्भरता की राह दिखा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान 2026 : भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन



छिन्दवाड़ा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिन्दवाड़ा में आज सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत 'मेरे सपनों का भारत' (विकसित भारत सेवा संकल्प अभियानअंतर्गत सेवा कार्य) विषय पर भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. अनिल जैन के संरक्षण, नोडल अधिकारी डॉ. पी.एन. सनेसर के निर्देशन तथा डॉ. शालिनी पाटिल के संयोजन एवं डॉ. सीमा सूर्यवंशी के संचालन में संपन्न हुआ।

प्राचार्य डॉ. अनिल जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि पौराणिक पात्र हमें वक्तूच कला का हुनर सिखाते हैं। हमें इतिहास, वर्तमान और भविष्य के संदर्भ में निरंतर चिंतन करने की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. बिंदु शुक्ला ने कहा कि वर्तमान में भारत का हर युवा जैन जी ह और हमारा राष्ट्रीय चरित्र हमारे द्वारा किए जा रहे कार्यों पर निर्भर करता है। डॉ. शालिनी पाटिल ने कहा कि आत्मविश्वास सिखाता है अपने सपनों में उड़ान भरना। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रखे विचारों को विचार - भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की 15 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं।

सेवा संकल्प अभियान :- ‘मेरे सपनों का भारत’ विषय पर स्कूलों में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज शनिवार को जिले के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और चित्रों एवं भाषण के माध्यम से अपने सपनों के भारत की कल्पना प्रस्तुत की।

अभियान के तहत उत्कृष्ट विद्यालय पनागर में आयोजित मेरे सपनों का भारत चित्रकला प्रतियोगिता में विधायक श्री सुशील कुमार तिवारी 'इंद्र' मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा प्रमाण पत्र प्रदान किये।



इसके साथ ही मेडिकल स्थित सांदीपनि विद्यालय सहित कई और शालाओं में भी 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा और विचारों को प्रस्तुत किया।

चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं के विजेता

विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, जबकि अन्य प्रतिभागियों को कलेक्टर राखेवेंद्र सिंह द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

एक माह के सेवा संकल्प अभियान के तहत शैक्षणिक संस्थाओं में -मेरे सपनों का भारत- विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता 19 सितंबर से 26 सितंबर तक जिला स्तर पर तथा राज्य स्तर पर 4 और 5 अक्टूबर को आयोजित की जायेगी।

मुख्यमंत्री स्कूटी वितरण योजना का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री स्कूटी वितरण योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन आज पं. लज्जा शंकर झा शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम में जिले के 151 मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी प्रदान की गई। इस अवसर पर भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का उद्बोधन भी सुना।



है। उनके नेतृत्व में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार भी विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है।

उन्होंने स्कूटी प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि जिन विद्यार्थियों को इस बार स्कूटी नहीं मिल सकी है, वे और अधिक मेहनत करें, ताकि अगली बार उन्हें भी यह अवसर मिल सके। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन और मेहनत के साथ आगे बढ़ें।

सांसद श्री दुबे ने महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्रू द्वारा विद्यार्थियों को नगर निगम की ओर से हवाई यात्रा कराने की पहल की सराहना की। उन्होंने बताया कि महापौर द्वारा आगामी अक्टूबर

माह में विद्यार्थियों को हवाई यात्रा के माध्यम से इंदौर ले जाने की योजना है। सांसद श्री दुबे के अनुरोध पर महापौर श्री सिंह ने दो और विद्यार्थियों को इस यात्रा में शामिल करने की सहमति दी। इसके बाद सांसद श्री दुबे ने महापौर के प्रति आभार व्यक्त किया।

सांसद श्री दुबे ने अनुरोध पर महापौर श्री सिंह ने दो और विद्यार्थियों को इस यात्रा में शामिल करने की सहमति दी। इसके बाद सांसद श्री दुबे ने महापौर के प्रति आभार व्यक्त किया।

महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्रू ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह स्कूटी विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और प्रतिभा का सम्मान है। विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत से यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि नगर निगम की ओर से भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं।

महापौर श्री सिंह ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने सपनों को बड़ा रखें और मेहनत के बल पर उन्हें साकार करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि आज मिलने वाली स्कूटी विद्यार्थियों के लिए केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा और अवगमन के माध्यम से देश में आगे बढ़ने का माध्यम भी है।

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के खेहिल नामदेव ने ट्राइबल आर्टिस्ट्स के हुनर और बाजार के बीच मौजूद गैप को कारोबार का अवसर बनाया। वर्ष 2022 में बैंबू आर्ट और ट्राइबल प्रोडक्ट्स के साथ काम शुरू किया। आज उनके प्लेटफॉर्म पीएन स्पेक्टरम सर्विसेस का सालाना रेवेन्यू 2.8 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। खास बात यह है कि इस कारोबार के जरिए जबलपुर संभाग सहित प्रदेश के ट्राइबल आर्टिस्ट्स और प्रोड्यूसर्स को बाजार और रोजगार से जोड़ा गया है।

खेहिल बताते हैं कि उनके सामने सबसे बड़ी बात यह थी कि ट्राइबल आर्टिस्ट्स बेहतर और वलुड-क्लास प्रोडक्ट तैयार कर रहे थे, लेकिन उन्हें ग्लोबल मार्केट नहीं मिल पा रहा था। वहीं बिचौलियों की वजह से कई बार कलाकारों को उनके उत्पाद की सही कीमत भी नहीं मिलती थी। उन्होंने इसी गैप को पहचानकर ट्राइबल आर्टिस्ट्स के साथ काम शुरू किया।

पहले आयरन आर्ट और गॉड पेंटिंग से शुरूआत-खेहिल ने शुरूआत आयरन आर्ट और गॉड पेंटिंग से की। ट्राइबल आर्टिस्ट्स से प्रोडक्ट तैयार करवाए, उनकी

कालिटी और डिजाइन में सुधार किया और फिर उन्हें अपने प्लेटफॉर्म के साथ-साथ ई कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर बेचना शुरू किया।

प्रोडक्ट की बिक्री से होने वाले मुनाफे का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा उन्होंने अपने पास रखा, जबकि 70 प्रतिशत हिस्सा संबंधित ट्राइबल प्रोड्यूसर्स और कलाकारों को वापस दिया। इससे कलाकारों को बेहतर कीमत मिलने लगी और वे लगातार उनके साथ जुड़कर काम करने लगे।

खेहिल कहते हैं कि उनसे लिए ट्राइबल आर्टिस्ट प्रोड्यूसर हैं और उनका प्लेटफॉर्म उनके उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने का माध्यम।

चार एयरपोर्ट्स को दिया ट्राइबल आर्ट का लुक-खेहिल और उनकी टीम ने ट्राइबल कलाकारों के साथ मिलकर चार एयरपोर्ट्स पर आर्टवर्क किया है। इनमें जबलपुर एयरपोर्ट के अलावा महाराष्ट्र के पुणे, कोल्हापुर और सोलापुर एयरपोर्ट शामिल हैं।

जबलपुर एयरपोर्ट पर दिखाई देने वाला आर्टवर्क भी उनकी टीम ने ट्राइबल कलाकारों को साथ लेकर तैयार किया है। इस काम के जरिए स्थानीय कलाकारों की कला को बड़े सार्वजनिक स्थानों तक पहुंचाने का अवसर मिला।



देशभक्ति का जोश भर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. रायसिंह सेंधव, भाजपा जिला अध्यक्ष ने सेवा चित्रकला प्रतियोगिता का अवलोकन कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। डॉ.सेंधव ने बच्चों को राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनकर विकसित भारत 2047 की संकल्पना के विषय पर मार्गदर्शन दिया। इसी प्रकार उत्कृष्ट विद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित विकसित भारत 2047 की संकल्पना को लेकर सेवा चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की

गई।प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक विचारों और कल्पनाशीलता के माध्यम से विकसित आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत के अपने सपनों को सुंदर एवं प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विकसित भारत मेरे सपनों का भारत विषय पर ओजस्वी शैली में भाषण देकर सभी में देशभक्ति का जोश भर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ रायसिंह सेंधव भाजपा जिला अध्यक्ष ने बच्चों को मार्गदर्शन देते कहा कि विकसित भारत 2047 में हमारा भारत विश्व पटल पर कैसा रहेगा, इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी लगातार कार्य कर रहे हैं। हम सब की भी जिम्मेदारी है की भारत सोने की चिड़िया बने आप विद्यार्थी श्रेष्ठ शिक्षा ग्रहण कर भविष्य में अपने सपनों का भारत की

संकल्पना कर भारत को विश्व गुरु बनाने में अपना योगदान दे।

जिला अध्यक्ष डॉ सेंधव ने आगे कहा कि आप विद्यार्थियों के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है कि भारत के इतिहास को समझे क्योंकि 1947 में भारत आजाद हुआ था। हम संकल्प लें कि 2047 में विकसित भारत पुनः विश्व गुरु बनाने में अहम योगदान देंगे। भाजपा जिला महामंत्री राजेश यादव ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि नन्हें प्रतिभागियों की प्रतिभा, उत्साह और भारत के उज्ज्वल भविष्य के प्रति उनकी कल्पनाएं निश्चित रूप से प्रेरणादायी हैं। श्री यादव ने आगे कहा कि विकसित भारत के संकल्प को धरातल पर उतारने का काम मोदी जी कर रहे हैं। हम सब मिलकर राष्ट्रहित के लिए कार्य करते हुए भारत को पुनः विश्व गुरु बनाएं। इस अवसर पर प्राचार्य ,शिक्षकगण, विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। यह जानकारी भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी दिनेश सांखला ने दी।

राज्य स्तरीय मेधावी विद्यार्थी स्कूटी वितरण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया

ट्राइबल आर्ट को बनाया कारोबार का आधार; 2022 में शुरू किया काम, अब 2.8 करोड़ का रेवेन्यू

कर्नावट परिवार के निवास पर पहुंचेगी 28 वीं नवकार कलश यात्रा

21 सितंबर को श्री पार्श्व प्रधान पाठशाला भवन से निकलेगी यात्रा, नवकार महामंत्र की आराधना से गुंज रहा नागदा

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजा जन्मेजय की धर्मनगरी नागदा में «अहिंसा परमो धर्मः» के संदेश के साथ नवकार महामंत्र की आराधना का पावन आयोजन साध्वी श्री अहम्व्रता श्रीजी आदि ठाणा-4 के पावन सान्निध्य एवं श्रीसंघ की उपस्थिति में जारी है। साध्वी श्री गुरुमया सागरानंद सूरिजी समुदायवर्ती परम पूज्य साध्वी श्री चिद्रता श्रीजी को समर्पित 36 दिवसीय नवकार मंत्र से अभिमंत्रित नवकार कलश यात्रा का शुभारंभ 23 अगस्त 2026 को हुआ था। इसी क्रम में 21 सितंबर को 28 वीं नवकार कलश यात्रा श्रद्धा एवं भक्ति के साथ निकाली जाएगी। प्रतिदिन नवकार कलश को अलग-अलग लाभार्थी परिवारों के निवास पर ले जाया जा रहा है, जहां श्रद्धालुओं द्वारा नवकार महामंत्र का जाप एवं आराधना कर नगर में सुख, शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की जा रही है। इस धार्मिक आयोजन से नागदा का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है।

गायत्री एकेडमी एवं गुरुकुल आश्रम के दो होनहार खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन

संभाग स्तरीय शालेय जूडो प्रतियोगिता नीमच में जीते पदक



अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच में पिछले दिनों आयोजित संभाग स्तरीय जूडो शालेय खेल प्रतियोगिता में गायत्री एकेडमी एवं गुरुकुल आश्रम अभयपुर के दो होनहार खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक अपने नाम किए। उक्तृष्ट प्रदर्शन के आधार पर दोनों खिलाड़ियों का आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। राज्य स्तरीय

नलखेड़ा के बरसाती नाले में कार बहने से 8 व्यक्तियों की दुखद मृत्यु



आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार 19 सितम्बर 2026 को प्रातः 9-30 बजे नलखेड़ा स्थित बं गलामुखी मंदिर के पास नाले में एक कार डूबी होने की सूचना प्राप्त होने पर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा कलेक्टर एवं एसपी के निर्देशन में तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर वाहन को बाहर निकाला गया।

एसडीएम सुसनेर देव कुंवर सोलंकी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि एक वाहन मारुति एस-प्रेसो क्रमांक MP13AF7135 में 03 पुरुष, 02 महिला एवं 03 बच्चे सहित कुल 08 व्यक्ति सवार थे। सभी मृत अवस्था में पाये गये। सभी शवों को पोस्टमार्टम हेतु स्थानीय सिविल अस्पताल भेजा गया।

सूचना प्राप्त होते ही जिला कलेक्टर पुलिस अधीक्षक ने मौके पर पहुँचकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की गई। एसडीएम ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी अनुसार 19 सितम्बर को दख्खानी रात्रि में हुई अतिवृष्टि के कारण मंदिर के पास बरसाती नाले में तेज बहाव आने से वाहन के बह जाने से यह दुखद घटना घटित हुई। जानकारी अनुसार 07 मृतक उड़ीसा के खोरदा जिले के निवासी हैं एवं 01 मृतक वाहन चालक तहसील बड़ौदा जिला आगर-मालवा का स्थानीय निवासी है। पुलिस द्वारा मर्त पंजीबद्ध कर घटना की विस्तृत जाँच की जा रही है।



बुड़ावन वाला ने बताया कि 36 दिवसीय नवकार कलश यात्रा के दौरान प्रतिदिन

लाभार्थी परिवारों के निवास पर नवकार कलश ले जाया जा रहा है। नवकार महामंत्र से अभिमंत्रित कलश की उपस्थिति में श्रद्धालु महामंत्र का जाप एवं आराधना कर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। यात्रा श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक साधना, भक्ति एवं नवकार महामंत्र की आराधना से जोड़ने का माध्यम बन रही है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को साध्वी भगवतों की पण्डितों का लाभ भी प्राप्त हो रहा है। श्रावक-श्राविकाओं की सहभागिता लगातार बनी हुई है तथा श्रद्धालु उत्साह एवं श्रद्धा के साथ धार्मिक आयोजनों में शामिल हो रहे हैं। शुरुवार को कोठारी परिवार के निवास पर हुआ आयोजन-शुरुवार को प्रातः 9 बजे साध्वी मंडल सहित समाजजन जैन कॉलोनी स्थित प्रमोद, शैलेन्द्र एवं विपुल कोठारी परिवार के निवास पर चल समारोह

राठौड़ तेली समाज महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का बदनावर में भव्य स्वागत



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षत्रिय राठौड़ तेली समाज के राष्ट्रीय राठौड़ तेली महासभा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामविलास जी राठौड़, ग्वालियर एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजेन्द्र जी भदौरिया भोपाल, प्रदेश उपाध्यक्ष नरेंद्र जी राठौड़ बदनावर सहित राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्री पवन जी राठौड़ एवं श्री धीरेन्द्र जी राठौर पत्रकार, प्रथम बदनावर के नगर आगमन पर समाजजनों द्वारा मृत्युंजय होटल में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। स्वागत कताई- राष्ट्रीय मंत्री गोवर्धन लाल राठौड़ जिला संयोजक संतोष राठौड़ नालख, तहसील अध्यक्ष राजमल राठौड़ छायन, सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौड़ बदनावर, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य

समाजजन एवं श्रावक-श्राविकाएं सहभागी होकर धर्मलाभ प्राप्त करेंगे। 21 सितंबर को कर्नावट परिवार के निवास पहुंचेगी 28 वीं नवकार कलश यात्रा- 21 सितंबर को निकलने वाली 28 वीं नवकार कलश यात्रा श्री पार्श्व प्रधान पाठशाला भवन से प्रारंभ होकर लाभार्थी प्रेमलता स्व. श्री रमेशचन्द्रजी कर्नावट परिवार के पाल्ना रोड स्थित निवास पर पहुंचेगी। यात्रा डोल-धमाकों के साथ श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक निकाली जाएगी। कर्नावट परिवार के निवास पर साध्वी श्रीजी के प्रवचन, नवकार महामंत्र की आराधना एवं धार्मिक आयोजन का लाभ श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजक श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ एवं चातुर्मास समिति ने समस्त श्रावक-श्राविकाओं से नवकार कलश यात्रा एवं नवकार महामंत्र जाप में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने का अनुरोध किया है।

राठौड़ तेली समाज महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का बदनावर में भव्य स्वागत

राधेश्याम राठौड़ बखतगढ़, पूर्व सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष नारायण राठौड़ कलोल , रमेश राठौड़, जगदीश राठौड़, पूनमचंद राठौड़, राजेश राठौड़, अनिल राठौड़, योगेश राठौड़, गौरव राठौड़,पवन राठौड़ पटेल,पत्रकार मोहित राठौड़ सुशील राठौड़, सुरेंद्र राठौड़, कपिल राठौड़, अरविंद्र राठौड़, कन्हैया लाल राठौड़, अशोक राठौड़ विष्णु राठौड़ एवं अन्य क्षेत्र से पथारे सभी अतिथि गण द्वारा स्वागत किया गया।

इस अवसर पर समाजजनों ने नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। पदाधिकारियों के बदनावर आगमन को लेकर समाजजनों में उत्साह का माहौल रहा। स्वागत बेला में समाज के पदाधिकारी, वरिष्ठजन एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। समाजजनों ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर समाज के प्रतिनिधियों को महत्वपूर्ण दायित्व मिलने से समाज में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। इस दौरान सामाजिक एकता, संगठन की मजबूती एवं समाजहित के विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई। उपस्थित समाजजनों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों के सफल कार्यकाल की मंगलकामना की।

पेड़-पौधे हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा, इनका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व : पं. मयंक शर्मा

अंतिम दिवस 12 ज्योतिर्लिंगों की महिमा का हुआ वर्णन, हवन-पूजन के बाद गुंजे हर-हर महादेव के जयकारे,

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री कृष्णा कामधेनु गौशाला बोराही में आयोजित सात दिवसीय श्री संगीतमय शिवमहापुराण कथा का शनिवार को विधिवत समापन हुआ। कथा के अंतिम दिवस बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिससे पूरा कथा पंडाल और आयोजन स्थल भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया। समापन अवसर पर आयोजित महाभंडारे में हजारों धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं एवं गौभक्तों ने महाप्रसादी ग्रहण कर पुण्यलाभ लिया।

कथावाचक आचार्य पंडित मयंक शर्मा ने अंतिम दिवस भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धा और सच्चे मन से ज्योतिर्लिंगों का दर्शन, पूजन एवं स्मरण करने से आध्यात्मिक शांति और पुण्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने शिव भक्ति



के साथ सनातन संस्कृति में प्रकृति एवं पर्यावरण के महत्व पर भी प्रकाश डाला। पेड़-पौधे हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा- आचार्य पंडित मयंक शर्मा ने पीपल, तुलसी, शमी, अशोक एवं अनार सहित विभिन्न पवित्र पेड़-पौधों के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे केवल प्रकृति का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपराओं से भी गहराई से जुड़े हुए हैं।

20 वर्षों की परंपरागत कारीगरी को मिला नया संबल, पीएम विश्वकर्मा योजना से बढ़ी तेरसिंग भूरिया की आय

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पेटलवाड विकासखंड के ग्राम तारखेड़ी निवासी श्री तेरसिंग भूरिया लगभग 20 वर्षों से अपने परंपरागत आमरं व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। वर्षों से अपने हुनर और अनुभव के आधार पर कार्य कर रहे श्री भूरिया के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना अपने परंपरागत व्यवसाय को अधिक व्यवस्थित और बेहतर तरीके से आगे बढ़ाने का माध्यम बनी है। योजना के अंतर्गत मिले कोशल प्रशिक्षण, आधुनिक टूलकिट और रियायती दर पर बैंक ऋण से उनके कार्य को नया संबल मिला है। इसका सकारात्मक प्रभाव उनकी आय पर भी पड़ा है और परंपरागत कारीगर के रूप में उनकी पहचान को भी मजबूती मिली है। परंपरागत हुनर को मिला कोशल प्रशिक्षण का साथ-श्री तेरसिंग भूरिया लंबे समय से अपने परंपरागत व्यवसाय के माध्यम से आजीविका अर्जित कर रहे थे। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की जानकारी मिलने के बाद वे योजना से जुड़े। योजना के अंतर्गत उन्होंने झाबुआ स्थित छतसष्ट संस्था के माध्यम से 5 दिवसीय कोशल प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें अपने परंपरागत कार्य को और बेहतर तरीके से करने तथा उल्लब्ध संसाधनों एवं उपकरणों का प्रभावी उपयोग करने संबंधी प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।



प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा उन्हें टूलकिट प्रदान की गई। टूलकिट मिलने से उनके कार्य के लिए आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता बेहतर हुई और उन्हें अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने में सहायता मिली। एक लाख रुपये के रियायती ऋण से व्यवसाय को मिला आर्थिक आधार- परंपरागत व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए पूंजी की आवश्यकता को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के माध्यम से पूरा करने में भी सहायता मिली। श्री भूरिया को बैंक ऑफ इंडिया, पेटलावड द्वारा एक लाख रुपये का ऋण 5 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर प्रदान किया गया। इस वित्तीय सहायता से उन्हें अपने व्यवसाय के संचालन और विस्तार के लिए आवश्यक आर्थिक आधार प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण, टूलकिट और वित्तीय सहायता के समन्वित लाभ से श्री भूरिया अपने वर्षों पुराने परंपरागत हुनर को आजीविका के बेहतर माध्यम के रूप में आगे बढ़ा रहे हैं। सामान्य दिनों में 10 हजार, पर्व-त्योहार और मेलों में 20 हजार रुपये तक मासिक आय प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से जुड़ने के बाद श्री तेरसिंग भूरिया की आय में वृद्धि हुई है।

परावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण करने के साथ लगाए गए पौधों की देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। हवन-पूजन के बाद गुंजे हर-हर महादेव के जयकारे - कथा के समापन दिवस वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ-हवन का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कर भगवान शिव से सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। विधि-विधान से पूर्णाहुति के पश्चात भगवान शिव की आरती एवं पूजन हुआ। इसके बाद भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालु 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों

प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित, सोडाग में साधारण वार्षिक आमसभा संपन्न

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिनांक 19/09/2026 को प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित, सोडा की साधारण वार्षिक आमसभा का आयोजन उत्साह एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महंत श्री अवधेशनंद जी महाराज एवं महंत श्री अरुण दास जी महाराज, सारी बारी आश्रम की गरिमायगी उपस्थित रही। कार्यक्रम में कांक्षेत्र अंतर्गत आने वाले समस्त ग्रामों के किसान भाई बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों की उपस्थिति में किया गया। आमसभा की शुरुआत संस्था के समिति प्रबंधक श्री चंद्रसिंह पटेल द्वारा की गई। उन्होंने संस्था की समस्त गतिविधियों, उपलब्धियों, कार्यणाली एवं किसानों के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी उपस्थित किसान सदस्यों के समक्ष विस्तारपूर्वक रखी। साथ ही संस्था के आगामी कार्यों एवं योजनाओं के संबंध में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर संस्था के साथ विगत 10 वर्षों से निरंतर एवं नियमित रूप से लेन-देन करने वाले, समय पर ऋण अदायगी करने वाले तथा संस्था की प्रगति एवं विकास में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करने वाले किसान



सदस्यों को संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मानित किसानों को सम्मान प्रमाण-पत्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में इफको-टोकियो से आए अधिकारी द्वारा किसानों को आधुनिक कृषि एवं खेती से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने रासायनिक खेती के प्रभाव, नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग तथा कृषि में इनके महत्व के संबंध में किसानों को विस्तार से जानकारी दी। किसानों द्वारा कृषि से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की गई। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने किसानों के योगदान की सराहना करते हुए सभी किसान सदस्यों से संस्था के साथ नियमित लेन-देन करने, समय पर ऋण अदायगी करने तथा संस्था की प्रगति एवं विकास में सक्रिय

प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर सेवा पखवाड़े के तहत चित्रकला प्रतियोगिता



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित 'सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, काछी बड़ौदा में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने विकसित भारत की संकल्पना, देश की प्रगति, सेवा भावना एवं राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर आकर्षक चित्र बनाए। अपनी कल्पनाशीलता और कला के माध्यम से विद्यार्थियों ने विकसित एवं सशक्त भारत की सुंदर तस्वीर प्रस्तुत की। कार्यक्रम में शिवरामसिंह रघुवंशी, हितेंद्र सिंह राजपुरोहित, नितिन जाट, डॉ. ओमप्रकाश पाटीदार, प्राचार्य दीप सिंह बघेल सहित विद्यालय का स्टाफ एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों का अवलोकन कर उनका उत्साहवर्धन किया। अतिथियों ने कहा कि सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने के साथ उनमें सेवा भावना, राष्ट्र निर्माण और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करती हैं। प्रधानमंत्री का संदर्भ कम दोहराएं।

राष्ट्रीय पोषण माह के तहत पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। खाचरोद राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का आयोजन परियोजना खाचरोद के सेक्टर धिनीदा एवं आवयाजागीर द्वारा संयुक्त रूप से किया गया कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं एवं समुदाय को संतुलित एवं पौष्टिक आहार बच्चों के पोषण स्थानीय खाद्य सामग्री के उपयोग तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में जानकारी दी गई आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न पोषण संबंधी गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया कार्यक्रम में पर्यवेक्षक सुनीता साहनी एवं नीता कुशवाह, मिशन नीव जिला समन्वयक लोकेन्द्र तंवर उपस्थित रहे उन्होंने पोषण के महत्व पर जानकारी देते हुए बच्चों एवं परिवारों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए संतुलित आहार को दैनिक जीवन में शामिल करने की अपील की कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका एवं समुदाय के सदस्य उपस्थित रहे आयोजन का उद्देश्य राष्ट्रीय पोषण माह के माध्यम से पोषण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और स्वस्थ एवं सुपोषित समाज के निर्माण का संदेश देना रहा। अंत में एक पौधा बेटी के नाम अभियान अंतर्गत पौधरोपण भी किया गया।

समापन अवसर पर आयोजक परिवार की ओर से अनुप जायसवाल ने सात दिवसीय कथा में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी धर्मप्रेमी नागरिकों, गौभक्तों, समाजजनों, श्रद्धालुओं एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग, सहभागिता और आशीर्वाद से यह धार्मिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।

सात दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन के दौरान बोराही सहित आपसपस के क्षेत्रों में भक्ति और आस्था का अद्भुत वातावरण बना रहा। कथा के अंतिम दिवस भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन की भव्यता को और बढ़ा दिया। भगवान शिव के जयकारों और भक्तिमय वातावरण के बीच श्री संगीतमय शिवमहापुराण कथा का श्रद्धा एवं उल्लास के साथ समापन हुआ।

सहयोग प्रदान करने की अपील की। कार्यक्रम में सपरंच श्रीमती धांपूबाई सहित किसान सदस्य रामसिंह जी पटेल, तोलाराम जी सोडा, अंबाराम जी जोगीखेड़ी, बद्रीलाल जी गोंसा, राजकुमार जी मौजमखेड़ी, अंतरसिंह जी सोडा, रमेशचंद्र जी गोंसा, भेरूसिंह जी सोडा, राधेश्याम जी गोंसा, परमसिंह जी जोगीखेड़ी, जीवनसिंह जी जोगीखेड़ी, इंद्रसिंह जी मौजमखेड़ी, सिद्ध जी सोडा, हट्टेसिंह जी सोडा, मोहनसिंह जी सोडा, शंकरलाल जी मौजमखेड़ी एवं सिद्ध जी मौजमखेड़ी सहित बड़ी संख्या में किसान भाई उपस्थित रहे। किसान हित एवं सहकारिता की भावना से आयोजित यह साधारण वार्षिक आमसभा आपसी सहयोग, विश्वास एवं उत्साह के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम के अंत में संस्था के समिति प्रबंधक श्री चंद्रसिंह पटेल द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथियों, संस्था के पदाधिकारियों, कर्मचारियों एवं समस्त किसान सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संस्था के कर्मचारी श्री अशोक जी, श्री भगवान सिंह जी, श्री आशीष शर्मा जी, श्री सुनील शर्मा जी एवं श्री नारायण जी रघुनाथ का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

उज्जैन में जेके लाइफकेयर की एपीआई इकाई शुरू

50 करोड़ का निवेश, 200 करोड़ तक विस्तार की तैयारी, सीएम बोले- उज्जैन सदियों से नेचुरल इंटेलिजेंस का केंद्र

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रम उद्योगपुरी में शनिवार को जेके लाइफकेयर सेंटर्स की अत्याधुनिक एपीआई मैन्युफैक्चरिंग इकाई शुरू हो गई। मुख्यमंत्री ने पट्टिका का अनावरण कर इकाई का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन में शुरू हुई यह इकाई देश को फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पथर साबित होगी। इससे दवाओं के लिए आयात पर निर्भरता कम करने और भारत की वैश्विक फार्मा आपूर्ति को मजबूती देने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, आज एआई का बदलता दौर है, लेकिन उज्जैन हमेशा से नेचुरल इंटेलिजेंस (एनआई) का केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। 50 करोड़ लग चुके, 200 करोड़ तक

गणगौर दरवाजा पर दो पक्षों में विवाद, क्रॉस प्रकरण दर्ज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात 10३0 बजे गणगौर दरवाजा कुंजड़े की मस्जिद के बाहर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। कहासुनी के बाद मारपीट में बदल गया दोनों पक्ष घायल हुए हैं पुलिस ने क्रॉस प्रकरण दर्ज कर जाट शुरू की है।

महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि बड़ी मोहल्ल कार्तिक चौक में रहने वाले मोहम्मद अजहर पिता ताज मोहम्मद और विशाल पिता रामू मालवीय निवासी गणगौर दरवाजा के बीच रात में विवाद हो गया था दोनों ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक दूसरे के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की है। मोहम्मद अजहर को परिजनों ने चरक अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया था मामले की सूचना मिलने पर पुलिस बयान दर्ज करने पहुंचे। इस बीच मार्केट में घायल दूसरे पक्ष से घायल विशाल मालवीय भी शिकायत दर्ज करने थाने पहुंचा। अस्पताल में भर्ती घायल मोहम्मद अजहर ने बताया कि उसकी ऑटो मस्जिद के पास खड़ी थी जिसमें बैठकर कुछ युवक शराब पी रहे थे उसने मना किया तो उसके साथ मारपीट कर लाठी डंडों से मारपीट की गई। थाने थाने पर विशाल ने शिकायत दर्ज कराई की वह ऑटो में बैठकर खाना खा रहा था तभी ऑटो चालक द्वारा अपने साथियों के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस के अनुसार दोनों पक्षों के बीच हुए विवाद में क्रॉस प्रकरण दर्ज किया गया है मारपीट स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे देखकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अंबर कॉलोनी में गौमाता के साथ कुकृत्य

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गौमाता के साथ गलत काम करते युवक की हकत सीसीटीवी कैमरे में कैद होने के बाद मामला सामने आते ही शुक्रवार को हिन्दुवादी संगठन नीलगंगा थाने पहुंच गया। ज्ञापन सौंपकर आरोपी की गिरफ्तारी और मांग तोड़ने की मांग की गई। पुलिस ने मामला जांच में लिया है। म.प्र. युवा शिव सेना गौ रक्षा हिन्दुवादी संगठन अध्यक्ष मनीषसिंह चौहान, हिन्दुवादी नेता रूपेश ठाकुर, महंत नीलेश्वरपुरी महाराज पंचदत्त जूना अखाड़ा, साध्वी हरिप्रिया, महंत शंकरलाल लक्ष्मीनारायण महाराज सहित हिन्दू संगठन के कई कार्यकर्ता नीलगंगा थाने पहुंचे थे। थाना प्रभारी तरूण कुरील को सीसीटीवी कैमरे का फुटेज और ज्ञापन सौंपकर बताया कि अंबर कालोनी क्षेत्र में एक युवक द्वारा गौमाता के साथ अनेतिक कृत्य किया गया। कैमरे में कैद हुआ युवक अज्ञात है, जिसकी पहचान कर गिरफ्तारी की जाये और उसका मुकाम तोड़कर रासुका की कार्रवाई की जाये। हिन्दू संगठन का कहना था कि हिन्दू संप्रदाय में गौमाता पूज्यनीय है। गौ माता के साथ ऐसा कृत्य बर्दास्त नहीं किया जायेगा। पुलिस ने आरोपी की पहचान कर जल्द गिरफ्तार करने और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। थाना प्रभारी कुरील ने बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है। फुटेज में दिखाई दे रहे युवक की पहचान के प्रयास किये जा रहे है।

ट्रेन में यात्री का मोबाइल चुराने वाला आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चलती ट्रेन में यात्री का मोबाइल चोरी करने वाले आरोपी की जीआरपी की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने 30 जून को ओवरनाइट एक्सप्रेस के जनरल कोच में अकोदिया स्टेशन पर वातदात को अवरान दिया था। जीआरटी पुलिस ने बताया कि ओवरनाइट एक्सप्रेस के जनरल कोच में शरद जाटव यात्रा कर रहे थे इस दौरान आजाद बरमाश द्वारा उनका मोबाइल अकोदिया स्टेशन से ट्रेन के रवाना होते ही चोरी कर लिया था। यात्री द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद मोबाइल चोरी के आरोपी की तलाश शुरू की गई थी। डेढ़ माह बाद साइबर टीम की मदद से आरोपी को दमोह से गिरफ्तार करने में टीम को सफलता मिल गई है। आरोपी राजेंद्र कुमार प्यासी निवासी पशु अस्पताल के पीछे, दमोह का रहने वाला है जिसके पास से चोरी किया गया मोबाइल बरामद कर लिया गया है। आरोपी को खिलाफ पूर्व में भी कई अपराध दर्ज होना सामने आए है।

युवाओं को भगवान राम के चरित्र से शिक्षा से ग्रहण करना चाहिए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। युवा शक्ति की तरफ यदि हमें देखना है तो राम राज्य की तरफ देखना होगा।ऋषि विश्वामित्र जब असुरों से पीड़ित हुए और उन्हें यज्ञ-हवन करने में कटिनाइयों होने लगी तो विश्वामित्र जी ने महाराज दशरथ के पास जाकर युवा शक्ति राम और लक्ष्मण को साथ

ले जाने की अनुमति मांगी। इस पर महाराज दशरथ ने कहा कि मैं सेना भेज देता हूं, खुद चलता हूं। लेकिन ऋषि विश्वामित्र का अट्ट भरोसा युवा पर था और इसी कारण उन्होंने राम और लक्ष्मण को चुना।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि ऋषि विश्वामित्र ही नहीं बल्कि सभी की दृष्टि

भगवान राम पर थी। काल की दृष्टि से सब नजर आ रहा था। तब युवा चाहते थे कि रामराज आए। ऋषि मुनियों ने बड़ा मन करके युवाओं पर भरोसा किया और निर्भीक यज्ञ-हवन संपन्न किया। इसके बाद वे जनक जी

के यहां पर स्वयंवर में इनको ले गए। राम को स्वयंवर के लक्ष्य का संधान करने का कहा।

इसी बीच परशुराम का आगमन होने पर एक संकट खड़ा हुआ,भगवान श्री राम ने उसके समधान का मार्ग भी निकाला ।

जब हम भगवान श्री राम के जीवन के बारे में बात करते हैं तो हमें यह ज्ञात होता है कि सफलता बिना कष्ट के नहीं मिलती। जहां चुनौतियां हो वहां पर ही जीत मिलती है और

यशगान होता है। राम ने जिस हिम्मत से कठिनाइयों का सामना किया क्या उनके बिना जीवन में सफलता मिल सकती है। बनवास जाना पड़ा तो वह हिम्मत दिखाते हुए अकेले गए। सीता हरण के बाद भी महाबली रावण से निपटने में उनका मनोबल ही काम में आया।



मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल के मार्गदर्शन में मृतक के परिजनों द्वारा देहदान मेडिकल कॉलेज अमलतास, देवास को किया गया। इस अवसर पर दिवंगत को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान कर पूर्ण सम्मान के साथ मेडिकल कॉलेज को सौंपा गया। यह सम्मान न केवल दिवंगत के

प्रति श्रद्धांजलि है, बल्कि देहदान जैसे पुनीत कार्य को सामाजिक गरिमा प्रदान करने का माध्यम भी है।

श्रीमती मंगला परमार के परिवार द्वारा लिया गया यह निर्णय समाज के लिए महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी संदेश है। देहदान के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में सार्थक योगदान दिया जा सकता है, जिससे भावी चिकित्सकों एवं चिकित्सा विद्यार्थियों के प्रशिक्षण में सहायता मिलती है तथा अनेक जीवन बचाए जा सकते हैं।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ में करोड़ों श्रद्धालुओं और साधु-संतों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए प्रशासन ने अभी से वैकल्पिक मार्गों की तलाश शुरू कर दी है। शनिवार को संभागायुक्त व अधिकारियों की टीम ने प्रस्तावित वैकल्पिक मार्ग का पैदल निरीक्षण किया।

टीम ने कार्तिक चौक से गणगौर दरवाजा, बड़ा पुल, जूना सोमवारिया होते हुए बिना नींव की मस्जिद तक मार्ग की स्थिति देखी। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मार्ग की चौड़ाई, यातायात और श्रद्धालुओं की आवाजाही की संभावनाओं के साथ मौके की अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। संभागायुक्त आशीष सिंह ने कहा कि सिंहस्थ के प्रमुख स्नान पर्वों पर अखाड़ों की पेशवाई और संत-महात्माओं के जुलूस को निर्बाध निकालना बड़ी चुनौती होगी। इसके लिए पहले से वैकल्पिक मार्ग विकसित करना जरूरी है। उन्होंने

बीच फंसने के बजाय सुरक्षित वापस लौट सकेंगे।

उन्होंने कहा कि सिंहस्थ के दौरान शहर में यातायात का दबाव सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना बढ़ेगा। ऐसे में समय रहते वैकल्पिक मार्गों का निर्धारण और विकास किया गया तो मुख्य मार्गों पर दबाव कम किया जा सकेगा। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्ययोजना तय होगी। संभागायुक्त के साथ एडीजी रakesh गुप्ता, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, डीआईजी नवनीत भसीन, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, एसपी प्रदीप शर्मा, अपर आयुक्त संतोष टेंगौर सहित नगर निगम और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने पूरे मार्ग का पैदल भ्रमण कर सिंहस्थ के दौरान संभावित उपयोगिता का आकलन किया।यदि चाहें तो इसी खबर का और ज्यादा धारदार, फंट-पेज लीड जैसा संस्करण भी बनाया जा सकता है, जिसमें सिंहस्थ के करोड़ों श्रद्धालुओं और पेशवाई के ट्रैफिक दबाव को मुख्य एंगल बनाया जाए।

अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रस्तावित मार्ग का तकनीकी और व्यावहारिक सर्वे कराया जाए। सर्वे के आधार पर विस्तृत रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर जल्द प्रस्तुत करने को कहा गया है। प्रशासन का उद्देश्य ऐसा मार्ग तैयार करना है, जिससे बाहर से आने वाले श्रद्धालु शिपा के विभिन्न घाटों तक आसानी से पहुंच सकें और स्नान के बाद भीड़ के

छप्पन भोग से सजा गणेश दरबार, महाआरती में उमड़े श्रद्धालु



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भद्रबल युवा संगठन की ओर से गणेश उत्सव के तहत शनिवार शाम छप्पन भोग महाआरती का आयोजन किया गया। भगवान गणेश को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित कर महाआरती की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं को भोग प्रसादी वितरित की गई।

संगठन के 27वें वर्ष के गणेश उत्सव में इस बार पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। इसी उद्देश्य से सुतली से भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा तैयार कर स्थापित की गई, जो आयोजन में आकर्षण का केंद्र रही। प्रतिमा के माध्यम से प्राकृतिक सामग्री के उपयोग और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। महाआरती के लिए आयोजन स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया था। भगवान गणेश के दरबार में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर भगवान गणेश के दर्शन किए और प्रसादी ग्रहण की।

23 सितंबर को होगा विशाल भंडारा- गणेश उत्सव के तहत बुधवार 23 सितंबर को बारस तिथि पर महाप्रसादी भंडारे का आयोजन किया जाएगा। समस्त भद्रबल युवा संगठन एवं त्रिलोक यादव मित्र मंडल ने श्रद्धालुओं से भंडारे में शामिल होकर प्रसादी ग्रहण करने का आग्रह किया है।

रेलवे स्टेशन पर आज 400 से ज्यादा लोग चलाएंगे सफाई अभियान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे स्टेशन की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए रेलवे पुलिस आज रविवार सुबह बड़ा सफाई अभियान चलाएगी। इसमें रेलवे पुलिस के जवानों के साथ शहर के विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के 400 से अधिक लोग शामिल होंगे। स्टेशन परिसर और प्लेटफार्म पर गंदगी वाले स्थानों की सफाई की जाएगी।

उद्देश्यनीय है कि करीब 15 दिन पहले दिल्ली से रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी उज्जैन स्टेशन के निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। इस दौरान स्टेशन और प्लेटफार्म पर जगह-जगह गंदगी मिलने पर अधिकारियों ने नाराजगी जताई थी। इसके बाद रेलवे ने सफाई व्यवस्था की निगरानी बढ़ा दी।

तीन दिन पहले भी दिल्ली से पहुंची थी टीम- सफाई व्यवस्था में सुधार की स्थिति देखने के लिए दिल्ली से अधिकारियों की टीम तीन दिन पहले भी उज्जैन पहुंची थी। टीम ने स्टेशन परिसर और प्लेटफार्म का जायजा लिया। इसके बाद रेलवे पुलिस ने रविवार को व्यापक सफाई अभियान की तैयारी की है।

सफाई के साथ स्वच्छता का संदेश भी- अभियान के दौरान प्लेटफार्म, यात्री क्षेत्र और आसपास के हिस्सों में विशेष सफाई की जाएगी। रेलवे पुलिस और स्वयंसेवी संगठन सफाई के साथ यात्रियों और आम लोगों को स्टेशन परिसर स्वच्छ रखने के लिए जागरूक भी करेंगे। अभियान का उद्देश्य स्टेशन को साफ-सुथरा रखने के साथ लोगों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना बढ़ाना है।

शराबी चालक से हूटर लगा गाड़ी की गई जप्ट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चैकिंग के दौरान हूटर लगी गाड़ी को पुलिस ने रोका तो चालक शराब के नशे में होना पाया गया। चालक के खिलाफ शराब पीकर वाहन चलाने का प्रकरण दर्ज कर हूटर लगी गाड़ी को जप्त किया गया है। महिदपुर थाना प्रभारी अशोक पाटीदार ने बताया कि थाने के सामने वाहन चैकिंग का प्रकट लगाया गया था। वाहनों के दस्तावेज देखे जा रहे थे। उसी दौरान बोलेंरो क्रमांक एमपी 09 सीए 9491 देस्तावेज से लहयते हुये आती दिखाई दी। जिस पर हूटर लगा था और सायरन बज रहा था। जिसे रोका गया तो चालक नशे की हालत में मिला। नाम पूछने पर हर्षवर्धन पिता प्रकाशचंद्र कवर निवासी छेबंसिटी महिदपुर होना सामने आया। गाड़ी पर हूटर लगा होने के संबंध में पूछाछ करने पर जवाब नहीं मिला। बोलेंरो जप्त की गई और हूटर निकालने की कार्रवाई करते हुये 15 हजार का चालान किया। चालक के खिलाफ शराब पीकर वाहन चलाने का प्रकरण भी दर्ज किया गया है।

मनोविकास विशेष शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन द्वारा एक दिवसीय सतत् पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम आयोजित

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मनोविकास विशेष शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन द्वारा दिनांक 18 सितम्बर 2026 को एक दिवसीय सतत् पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम (सी.आर.ई.) कार्यक्रम



विशेष शिक्षकों की व्यावसायिक क्षमता एवं जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से "Comprehensive Management of Epilepsy in Educational Settings: Role of Special Educators" विषय पर ऑनलाइन आयोजित किया गया। जो भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत था। यह कार्यक्रम फादर डॉ. टॉम जॉर्ज, निदेशक मनोविकास विशेष शिक्षा महाविद्यालय एवं डॉ. प्रेम छबड़ा, शैक्षणिक निदेशिका, मनोविकास विशेष शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन

के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का समन्वय श्रीमती हेमांगी पाराशर, सहायक प्राध्यापक, मनोविकास महाविद्यालय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मिर्गी से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चार जानकारीपूर्ण सत्र आयोजित किए गए। प्रथम सत्र में श्रीमती शिवानी तिवारी, सहायक प्राध्यापक, मनोविकास महाविद्यालय ने मिर्गी की समझ एवं विद्यार्थियों की शिक्षा पर इसके प्रभावों पर जानकारी दी। द्वितीय सत्र में सुश्री आकांशा छेत्री, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एवं

सिंहस्थ में संतों की पेशवाई और श्रद्धालुओं के लिए बनेगा वैकल्पिक मार्ग

अफसरों ने कार्तिक चौक से बिना नींव की मस्जिद तक पैदल किया निरीक्षण- तकनीकी सर्वे और डीपीआर तैयार करने को कहा



अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रस्तावित मार्ग का तकनीकी और व्यावहारिक सर्वे कराया जाए। सर्वे के आधार पर विस्तृत रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर जल्द प्रस्तुत करने को कहा गया है। प्रशासन का उद्देश्य ऐसा मार्ग तैयार करना है, जिससे बाहर से आने वाले श्रद्धालु शिपा के विभिन्न घाटों तक आसानी से पहुंच सकें और स्नान के बाद भीड़ के